

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

11/9/86

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 2, 1986 (श्रावण 11, 1908)  
No. 31] NEW DELHI SATURDAY, AUGUST 2, 1986 (SRAVANA 11, 1908)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्याओं के अधीन प्रकाशित किया जा सके  
(Separate paging is given to this part in order that it may be filed in separate volumes)

## भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली—11 0003, दिनांक जून 1986

सं० ए-11/5/83—उप-निदेशक, प्रवर्तन एतद्वारा निदेशालय के श्री ए० के० सहदेव को 27-2-1986 (पूर्वाह्न) से और अगला आदेश होने तक इस निदेशालय के बम्बई-II क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन्न प्रवर्तन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० ए-11/16/83—उप-निदेशक, प्रवर्तन एतद्वारा निदेशालय के श्री सी० विजयन को 19-2-1983 (पूर्वाह्न) से और अगला आदेश होने तक इस निदेशालय के बम्बई-II क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन्न प्रवर्तन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० के० राय  
मुख्य प्रवर्तन अधिकारी (प्रशासन)

1-176GI/86

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 2/19/86—प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद्वारा श्री कृष्ण लाल खरोड़ा, स्थायी वैयक्तिक सहायक को इस आयोग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के तौर पर रु० 650-1040 के पद पर तदर्थ रूप से 3 माह की अवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, 8-7-86 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

मनोहर लाल

अवर सचिव, प्रशासन

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार,  
लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
(केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो)

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1986

सं० ए-22020/51/83—प्रशासन-3—अधिसूचना सं० 32012/1/85—प्र०-3, दिनांक 13-3-1986 के अधिक्रमण

(21615)

में निदेशक, के० अ० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा निम्नलिखित तदर्थ बरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों को प्रत्येक के सामने लिखी तिथि से नियमित आधार पर ग्रेड "बी" आनुलिपिक के रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	तिथि जिससे नियमित किया गया
सर्वश्री		
1. एम० पी० एस० चौहान		29-10-1985
2. जी० के० गुहा		1-11-1985

के० चक्रवर्थी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
के० अ० ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० 3/27/86-प्रशा०-5-राष्ट्रपति के श्री एस० के० सैकिया, भा० पु० सेवा (गुजरात : 1977) को दिनांक 27 जून, 1986 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० ए-19032/1/79-प्रशा०-5-प्रत्यावर्तित होने पर, श्री डी० के० कोचर, कनिष्ठ विश्लेषक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्या० की सेवाएं दिनांक 23 जून, 1986 पूर्वाह्न से इस्पात तथा खान मंत्रालय, खान विभाग, नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

धर्मपाल भटना  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पू० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० डी० ए० 46/85-स्थापना-I-श्री सोहन लाल, पुलिस उप अधीक्षक को सेवाएं दिनांक 24-3-86 (अपराह्न) से भाखरा, बीअभ, मैनेजमेंट बोर्ड, जण्डीगढ़ जो कि सिचाई एक्स् विद्युत मंत्रालय के अधीन है, को प्रतिनियुक्ति के आधार पर सौंपी जाती हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1986

सं० एफ-2/23/86-स्थापना (के० रि० पु० बल)-राष्ट्रपति, के० रि० पु० बल के पुलिस उप-अधीक्षक श्री वासुदेव भनोत जो कि वर्तमान समय प्रिवेंटिव आपरेशन डायरेक्टोरेट, वित्त मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर है, उन्हें वर्तमान 1200-50-1700 में सहायक कमांडेंट के पद पर दिनांक 10-4-86 से स्थापनापत्र रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति सहर्ष स्वीकृत करते हैं।

इसी तारीख से विभागीय प्रोन्नति समिति फरवरी, 1986 की चयन सूची में शामिल उनके निकटतम जूनियर अधिकारी को सहायक कमांडेंट के पद पर पदोन्नति की गयी थी।

अशोक राज महीपति  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनांक 03 जुलाई 1986

सं० ई-16 013 (2)/1/86-कामिक-I-प्रतिनियुक्ति पर, नियुक्ति होने पर, श्री जो० एस० रथ, भा० पु० से० (बिहार : 77) ने 10 जून, 1986 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एन० ए० एल० सी० श्री०, अंगुल के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० ई-16014 (2)/85-कामिक-I-स्थानांतरण आधार पर नियुक्ति होने पर, श्री प्यारा सिंह, उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी, एन० ए० पी० पी०, नरौरा (उ० प्र०) ने 26 जून, 1986 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्ल्यू० श्री० धनबाद के उप कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० ई-32015 (3)/11/85-कामिक-I-राष्ट्रपति श्री जे० आर० गुप्ता, उप कमांडेंट, को 6 जून, 1986 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर कमांडेंट (प्रशिक्षण) के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015 (2)/1/86-कामिक-I-राष्ट्रपति, श्री पी० बालकृष्ण पिल्लै, सहायक कमांडेंट को प्रोन्नति पर 23-6-1986 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर, के० श्री० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी० दुर्गापुर का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015 (3)/4/84-कामिक-I-राष्ट्रपति, श्री चेताराम सिंह, सहायक कमांडेंट (तदर्थ कमांडेंट) को 11 जून, 1986 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, ई० सी० एल०, सोनलपुर का उप कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

ह०/- अपठनीय  
महानिदेशक/के० श्री० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० 13/18/85-प्रशा० I-नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना परिचालन के पद पर कार्यरत श्री एम० एल० गुलाटी, ने अधिवक्ता की

आयु प्राप्त करने पर 30-3-86 के अग्ररान्न में उसी कार्यालय में उप निदेशक जनगणना परिचालन के पद का कार्यभार छोड़ा गया है।

बी० एस०  
भारत के महाराजिस्ट्रार

महालेखाकार लेखा परीक्षा का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद-500 463, दिनांक 8 जून 1986

सं० प्रशासन I/8-132/86-87/63--महालेखाकार (लेखा परीक्षा-I) आंध्र प्रदेश, हैदराबाद ने सहर्ष नीचे लिखे सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० अ०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले यदि कोई हो, और आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० शा० सं० एफ०/7/1/80-स्थापना पी० टी० I दिनांक 26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्दर दें।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
मवश्रा	
1. एम० गोपाल कृष्णमूर्ति	20-6-1986 पू०
2. बी० वि० एस० राजशेखर	17-6-1986 अ०

दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० प्रशा० I/8-132/86-87/67--श्री के० राजेश्वर राव-II श्री के० एम० पीटर लेखा परीक्षा अधिकारी महा-लेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक 30-6-86 (अप०) को सेवा निवृत्त हुए हैं।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय (ले० व० ह०) आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० प्रशा०-I/ले० व० ह० I/8-88/86-87-116--महालेखाकार (ले० व० ह०) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद महोदय ने सहर्ष निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 रु० वेतनमान में लेखा अधिकारियों

के रूप में उनके नामों के सम्मुख बतायी गयी तिथियों से अगले आदेशों तक स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया है।

नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सर्वश्री	
(1) पी० मुब्बु कृष्णयथा	10-12-1985 अप०
(2) सी० हेब० सुब्बाराव-II	1-7-1986 अप०

यह पदोन्नति आदेश उनके वरिष्ठों के दावों के पर बिना, कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले यदि कोई हो तो आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के निर्णय के अन्तर्गत रहेंगे।

टी० के० बालसुब्रमणियम  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

निदेशक, लेखा परीक्षा का कार्यालय

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

गुवाहाटी-781011, दिनांक 27 मई 1986

सं० एम० ओ० ओ० सं० 24--इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लि० में स्थायी रूप से संविलयन (एक्जार्पेशन) के परिणाम-स्वरूप श्री पूर्णेंद्रु लाहिड़ी जो लेखा परीक्षा अधिकारी के संवर्ग के स्थायी सदस्य ह का धारणाधिकार दिनांक 1-5-1985 से एफ० आर० 14(ए) (डी) के अन्तर्गत समाप्त किया जाता है।

एन० जी० मल्लिक  
निदेशक, लेखा परीक्षा

कार्यालय, निदेशक

लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 1447/ए-प्रशासन/130/83-86--सेण्ट्रल पल्प एण्ड पेपर रिचर्स इंडस्ट्रीज प्रूट, देहरादून में स्थायी रूप से अन्तर्लपन के परिणाम स्वरूप, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं विभाग के स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं पद पर श्री सी० पी० सक्सेना का इस विभाग में ग्रहणाधिकार मूल नियम 14-ए (डी०) के अधीन, दिनांक 26-11-1985 (पूर्वाह्न), से समाप्त हो गया है।

सं० 1464/ए-प्रशासन/130/82-85--निदेशक लेखा-परीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली निम्नलिखित सहायक लेखा-परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष अंकित तिथि से

स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अश्वमेध आदेश परणित, सहर्ष नियुक्ति करते हैं :—

भारतीय आर्जनेंस फैक्टरियां सेवा

आर्जनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 3 जुलाई 1986

क्रम० नाम एवं पदनाम नियुक्ति की तिथि  
सं० गयी है।

सर्वश्री—

1. सी० के० पी० राव, संयुक्त निदेशक लेखा-परीक्षा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी रक्षा सेवाएं (मध्य कमान) मेरठ। 17-4-86
2. एम० सी० परत, संयुक्त निदेशक लेखा-परीक्षा रक्षा सेवाएं (पश्चिमी कमान) चण्डीगढ़। 29-5-86
3. ए० एन० मुखर्जी, उपनिदेशक लेखापरीक्षा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी रक्षा सेवाएं (मध्य कमान) इलाहाबाद। 24-6-86
4. श्रीलोक भट्टाचार्य, लेखा परीक्षा अधिकारी सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी रक्षा सेवाएं (पश्चिमी कमान) दिल्ली छावनी। 24-6-86
5. जी० रामाचन्द्रन, निदेशक लेखापरीक्षा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (वायुसेना/नौसेना) नई दिल्ली। (अपराक्त) 16-6-86
6. घसीटा सिंह, संयुक्त निदेशक लेखा-परीक्षा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी रक्षा सेवाएं (मध्य कमान) मेरठ। (अपराक्त) 30-6-86

बी० एस० गिल,  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय

डी० जी०ओ० एम० मुख्यालय, सिविल सेवा

आयुध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० 7/86/एई-1/(एन० जी०) --वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री मृत्युञ्जय मुखर्जी स्थानापन्न निजी सचिव (मो० एवं स्थायी आयुनिर्दिष्ट श्रेणी-2) दिनांक 30-6-1986 (अपराक्त) से सेवानिवृत्त हुए :

एम० दास गुप्ता,  
उप महानिदेशक/प्रशासन  
कृते महानिदेशक आर्जनेंस फैक्टरियां

सं० 35/जी/86--निरीक्षण जिम्मेदारियों के डी० जी० आई० से डी० जी० ओ० एफ० को हस्तान्तरण के फलस्वरूप, राष्ट्रपति महोदय डी० जी० आई० से निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सम्मुख दर्शाए गए आई० ओ० एफ० एस० ग्रेडों में नियुक्त करते हैं।

क्रम नाम श्रेणी आई० ओ० एफ० एस० सं० जिसमें नियुक्त किए गए

एम० एम० ओ०-1/एम० ए० ओ०

सर्वश्री--

1. पी० सी० प्रभाकरन वरिष्ठ वेतनमान (इंजीनियर)
2. एस० के० कपूर --वही--
3. ए० बी० चिकोतिकर --वही--
4. जी० पी० मोदी --वही--
5. पी० जयामन --वही--
6. एम० सी० विद्यार्थी वरिष्ठ वेतनमान (गैर तकनीकी)
7. एम० के० कुलश्रेष्ठ --वही--
8. आर० श्रीनिवासन वरिष्ठ वेतनमान (रसायनविस्त)
9. के० पी० भरदन --वही-- (घातु कर्मी)
10. पी० एम० सेनगुप्ता --वही--
11. आर० एन० राय --वही--
12. के० सी० त्रिपाठी --वही--
13. यू० एन० शर्मा --वही--
14. एम० आर० सेनगुप्ता --वही--

एम० एम० ओ०-II

सर्वश्री--

1. आर० रंगनाथन वरिष्ठ वेतनमान (इंजीनियर)
2. बी० एच० हुनागिरि --वही--
3. ए० के० चौधरी --वही--
4. जे० डब्ल्यू० पाण्डे --वही--
5. डी० एन० घोष --वही--
6. हंस राज --वही--
7. एम० एन० सूद --वही--
8. ओम प्रकाश गुप्ता वरिष्ठ वेतनमान (इंजीनियर)
9. बी० बी० दाम --वही--
10. बी० बी० बोदाम --वही--
11. आर० के० नायक --वही--



12. वी० श्रीनिवासन	सधिष्ठ वेतनमान (सहायक कार्य- शाला प्रबन्धक/रसायनविस्त)
13. एच० सी० पाठक	—वही—
14. पी० आर० गयेन	—वही— (धातु कर्म)
15. ए० के० लाला	—वही—
16. सी० के० दिक्षित	—वही—
17. ए० के० जोहरी	—वही—
18. डी० वी० रामाशर्मा	—वही—
19. पी० सी० शुक्ला	—वही—
20. एस० आर० कुशवाह	—वही—

एम० ए० अलहन

संयुक्त निदेशक/जी०

कृते महानिदेशक, आयुष निर्माणी बोर्ड

## उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

सं० ए-19018(757)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, उद्योग एवं वाणिज्य निदेशालय, जम्मू व कश्मीर सरकार, श्रीनगर के तकनीकी अधिकारी श्री इन्द्रजीत खुशु को 24-4-86 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, सूरी में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (खाद्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(779)/85-प्रशा० (राज०)—सार्व-जनिक उद्यम विभाग में निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के फल-स्वरूप श्री के० पी० सिंह ने 16 मई, 1986 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय में निदेशक ग्रेड-I, (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय  
उप निदेशक (प्रशासन)

## इस्पात और खान मंत्रालय

## खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० ए-19011/77/86-स्था० ए० पी० पी०—दिनांक 30-6-86 (अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री वाय० बी० सम्मनवार, स्थायी उप-खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) को एतद्वारा दिनांक 1-7-86 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

सं० ए-19011(363)/86-स्था० ए० पी० पी०—दिनांक 30-6-86 (अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री एम० के० राव, स्थायी खनिज अधिकारी एवं स्थानापन्न सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) को एतद्वारा दिनांक 1-7-1986 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

पी० पी० वादी

प्रशासन अधिकारी

कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1986

सं० 17/4/86-एस-4—पदोन्नति के परिणामस्वरूप निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने उनके आगे लिखित तारीखों से दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों में सहायक इंजीनियरों का कार्यभार संभाल लिया है :—

क्र० सं०	नाम	कृतेन्द्र/कार्यालय	कार्यभार संभालने की तारीख
----------	-----	--------------------	---------------------------

सर्वश्री—

1.	आर० डी० अग्रवाल	टी० वी० एम० सी०, जैसलमेर	21-1-86 (पूर्वाह्न)
2.	डी० श्रीधर	टी० वी० एम० सी०, सतारा	6-6-86 (अपराह्न)
3.	एन० कुण्डस्वामी	उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, कटक	29-5-86 (पूर्वाह्न)
4.	एन० एल० गोडवोले	टी० वी० एम० सी०, बिलासपुर	29-5-86 (पूर्वाह्न)

बी० एस० जैन

प्रशासन उपनिदेशक

ते महानिदेशक

## भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

## कार्मिक प्रभाग

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० पी० ए०/79/(19)/84-आर-III/1414—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक श्री हरिकृष्ण नायडू साई प्रकाश को इसी अनुसंधान केन्द्र में 13 जनवरी 1986 (अपराह्न) से 11 जून 1986 (अपराह्न) तक अस्थायी आधार पर और 12 जून 1986 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० जी० सुकुमारन

उप स्थापना अधिकारी

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० स्था० (1) 00840--श्री के० पी० दवाले मौसम विज्ञानी भारत मौसम विज्ञान विभाग की स्वेच्छया-निवृत्त होने की प्रार्थना भारत सरकार द्वारा अब स्वीकृत हो गयी है, अतः श्री दवाले 19-10-1982 की अपराह्न से भारत सरकार की सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एस० डी० एम० अम्बी  
मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक  
प्रशासन एवं भंडार  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1986

सं० ए० 12025/6/81-ई० एस०--राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० राजेन्द्रन को दिनांक 18-6-1986 से और अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में 700-1300 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में विमान सुरक्षा अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० भट्टाचार्य  
उपनिदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतलय नागपुर

नागपुर, दिनांक 8 जुलाई 1986

क्र० 11/86--वित्त मंत्रालय के आदेश क्र० 75/86 दिनांक 14-5-1986 (फा० सं० ए-32012/2/86-एण्ड II) के अनुसार पदोन्नत होने पर श्री के० के० चक्रवर्ती, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' ने दिनांक 10-6-1986 को पूर्वाह्न में नागपुर समाहृतलय में वरिष्ठ अधीक्षक समूह 'क' का कार्यभार ग्रहण किया।

क्र० 12/86--प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी 'ख' में पदोन्नत होने पर निम्नलिखित कार्यालय अधिकारियों ने प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' में इनके नाम के आगे दर्शायी गयी तिथि से पदभार संभाला।

क्र०	नाम	तैनात स्थान	कार्यभारग्रहण करने की तिथि
------	-----	-------------	----------------------------

सर्वश्री--

1	ए०एस० दातार	लेखा परिक्षक, मुख्यालय नागपुर	17-6-86 (पूर्वाह्न)
2	डी० एल० डोके	प्रशासनिक अधिकारी प्रभाग-1 नागपुर।	18-6-86 (पूर्वाह्न)

आर० के० आदिम  
उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्थापना)

## निरीक्षण महानिदेशालय,

## सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1986

सी० सं० 1041/28/86/9/86--श्री बी० बभु ने, जो पहले मद्रास में सहायक समाहर्ता सीमा शुल्क के रूप में कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 9-7-85 के आदेश संख्या 98/85 द्वारा जारी पत्र फा० संख्या ए० 22012/42/85-प्रशा०-II के अनुसार निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में स्थानांतरण होने पर, उन्होंने दिनांक 17-6-86 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, निरीक्षण, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एच० एम० सिंह  
निरीक्षण महानिदेशक।

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० ए-19012/1115/85-स्थापना-पांच--अध्यक्ष--केन्द्रीय जल आयोग श्री नगेन्द्र प्रसाद सिंह, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपये के वेतनमान में 27-6-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

## केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 3-743/86-स्था० (अनु०)--श्री राम सिंह को दिनांक 23-6-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर जी० सी० एस० समूह "ख", (राजपत्रित) वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एम० के० दास  
मुख्य अभियन्ता एवं सदस्य

## निर्माण महानिदेशालय

## केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० 32/3/85-ई० सी०-2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित कार्यपालक इंजीनियर श्रेणी-1 के ग्रेड के निवृत्त

की आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से उनके आगे दी गयी तारीख से सेवानिवृत्त किए जाते हैं :—

क्र० अधिकारी का नाम निवृत्ति की तारीख पदनाम एवं अन्तिम सं० तैनाती का स्थान

सर्वश्री—

- |                   |         |   |
|-------------------|---------|---|
| 1 ए० एम० कंवर     | 30-6-86 | कार्यपालक इंजीनियर<br>(अपराक्त) एम० एम० डब्ल्यू-2<br>(उत्तरी अंचल), आर०<br>के० पुरम, नई दिल्ली। |
| 2 एन० एस० राहजेरा | 30-6-86 | कार्यपालक इंजीनियर<br>(अपराक्त) (सि०) मूल्यांकन<br>यूनिट इन्दौर, आयकर<br>विभाग, इन्दौर।         |

एम० एम० दास  
उप निदेशक प्रशासन (प्रशिक्षण)  
कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1986

सं० 33/2/83-ई० सी० 9--राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के नामित श्री सतीश कुमार उपवास्तुक को अस्थायी पद पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क") के० लो० नि० विभाग में रूपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सहित) सामान्य नियमों एवं शर्तों पर दिनांक 6-6-86 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

(2) श्री सतीश कुमार को नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाता है।

पृथ्वी पाल सिंह  
प्रशासन उपनिदेशक  
केन्द्रीय कार्यालय के० लो० नि० वि०  
नई दिल्ली।

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार का कार्यालय  
जमाल रोड

पटना-800001 दिनांक 3 जुलाई 1986

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेघदूत फाइनेंस एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० लि० के विषय में

सं० 1068/560/1746--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेघदूत फाइनेंस एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और महावीर कट्रेक्ट्स प्रा० लि० के विषय में

पटना, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० 1782/60/560/1749--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महावीर कट्रेक्ट्स/76 प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्राइट फूड प्रोडक्ट्स प्रा० लि० के विषय में

दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० 1481/59/560/1952--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्राइट फूड प्रोडक्ट्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० ए० सिंह  
कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना।

**राज्य बाई टी. एन. एस. एम्.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**

**269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 30 जून 1986**

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/86/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति बितका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 28 क० 10 म० जो हिसार में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 25-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

- (1) चौ० ब्रिजलाल विश्नोई पुत्र चौ० पतराम नि०-म० सं० 119, सै०-16ए, अण्डीगढ़ ।  
(अन्तरक)
- (2) दी विश्व अध्यात्मिक संघ ग्रुप को०-आपरेटिव हाउस विहिडग सोसायटी लि० हिसार ।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 28 क० 10 म० जो हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय के हिसार में रजिस्ट्री संख्या 4899 दिनांक 25-11-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986  
मीहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/114/85-86--

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 20 कनाल 3 मरला जो कि कन्हेई में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-11-85  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपभारार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् —

2-176 GI/86

(1) श्री मवासी पुत्र श्री रिक्खा  
निवासी-कन्हेई तह० व जिला-गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० विल्ली टावर्स एण्ड इस्टेट (प्रा०) लि०,  
15 अन्सल भवन, 16 कस्तुरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 42 कनाल 3 मरला जो गांव कन्हेई तह०  
गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 5103 दिनांक 20-11-85 पर दिया  
है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० शाहबाद/31/85-86---

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 21 कनाल 1 मरला जो कि गांव-झावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-11-85 5/12/85, 1/1/86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोलब्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री रोशनलाल पुत्र भगवान दास पुत्र श्री मानूराम नि०-शाहबाद ।

(अन्तरक)

(2) दी नव निकेतन को०-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० शाहबाद, तह० थानेसर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के रूप में लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 21 कनाल 1 मरला जो गांव-झावड़ा उप० तह० शाहबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शाहबाद में रजिस्ट्री सं० 945, 988 एवं 1094 दिनांक 21-11-85, 5-12-85 एवं 1-1-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० 49232/85-86--यतः, मुझे, आर०  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'सूक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो ब्रन्दन रोड, बेंगलूर में स्थित  
है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में  
दिनांक 18-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शावक अर्धशीट ईरानी  
17 ब्रण्टन रोड  
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1 एस० के० गांधी  
2 पुष्पा गांधी  
सं० 89/1 जे० सी० रोड  
बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2406/85-86/18-11-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 ब्रण्टन रोड, बेंगलूर में  
स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 2-7-1986

मीहर :

प्रत्येक भाग में दो एक एक

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जुलाई, 1986

नोटिस सं० 49228/85-86—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो ग्रण्टन रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में दिनांक 14-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का पुनर्गृह्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर—

(1) श्री शावक अर्धशीत ईरानी

17 ग्रण्टन रोड

बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कदपा मधुकर रेड्डी और अवर्स,

II/362/I को० आपरेटिव सोसायटी मदनपटली

चित्तूर-517326 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(हस्तावेज सं० 2455/85-86 दिनांक 14-11-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 ग्रण्टन रोड, बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-7-1986

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० 49229/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 17 है तथा जो अण्टन रोड, बंगलूर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर  
दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) शावक अर्धशीट हरानी  
17 अण्टन रोड,  
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) 1: रत्नाकर अच्युत रान्थाग  
2: विजय रत्नाकर रान्थाग  
सं० 476 19वां मैन चौथा जे० ब्लाक  
जयनगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2454/85-86 दिनांक नवम्बर 1985)  
सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 अण्टन रोड, बेंगलूर।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2-7-86  
मोहर :

प्रमुख बाई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० सी० आर० 62/49058/85-86—यतः,  
मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० निडलूर गांव है तथा जो कसबा होडली देवनहल्ली तालुक बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवनहल्ली दिनांक 7-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) बन्दरूत से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के बन्दरूत के खर्च में कमी कटने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अपकृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्दरूती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चेतन देसाई  
निवासी—28, विश्वानाथराव रोड  
माधवनगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी आलवा  
पति डा० के० नागप्पा आलवा;  
517, राजमहल विलास एक्सटेंशन  
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 934/दिनांक 25-11-85)

बिडलूर गांव कसबा होडली देवनहल्ली तालुक बंगलूर  
में स्थित सम्पत्ति।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

**प्रथम भाग, टी. एन. एच.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रेंज, बंगलूर;**

**बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1986**

निदेश सं० आर० 1785/37ईई/—यतः मुझे, आर० भारद्वाज;

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० 67/1डी है, तथा जो लेवले रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-11-85

बंगलूर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पास गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कटू देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को ज्ञात करता हूँ—

1: श्री शम्बीर अम्भास भाई लोकान्दवाला  
श्री सादिक हुसैन शमसुद्दीन पचोखाला  
श्री महमूदी यूसफ भाई वादनगरवाला  
नं० 30 मिशन रोड, बेंगलूर-27

(अन्तरक)

2: (1) श्री सुरेश वासवानी  
(2) श्रीमती गीता वासवानी  
सं० 22, लेवले रोड, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 1648/85-86 दिनांक 13-11-85)  
सम्पत्ति है, जिसका सं० 67/1डी (पुराना सं० 5 में पोरशन) लेवले रोड बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4-4-1986  
मोहर :

प्रकृष वाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 37ईई/5679/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० बंगलो सं० 26अस० सं न० 226 बाम्बे पूना  
रोड, खडकी केन्टोमेंट पूना-3, में स्थित है (और इसमें उपाध्व  
अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/  
सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
सूचके से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अभिन्न  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वजह से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूगोला अथवा जातिबों  
को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. मिसेस धून इल्विस, 2. मिसेस साराखान और  
3. मिसेस रोडा खंवाडिया  
16 नेपियर रोड, पूना—7

(अन्तरक)

(2) डी० टी० अरोड़ा और आदर्श 11, मोलेदिना रोड,  
पूना।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदी

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/5679/85-86 जो  
दिसम्बर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 12-9-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज पार्क, पूना-1

पूना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 37जी/485/85-86--यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० एफ० 7 (पार्ट) नारापुर इण्डस्ट्रियल एरिया कोल बड़े (पानघाट है) तथा जो कोलावडे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज/नव रजिस्ट्रार में, बम्बई रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आकर बिक रूप से कायम नहीं किया गया है—

(क) बन्दुब से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल से कहीं करने या उससे बचने में सूचिभा के बिना; प्राप्ति/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिभा के बिना;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

3—176 GI/86

(1) यूनाइटेड मोटर्स (इंडिया) लिमिटेड  
31 एम० एम० पाटकर मार्ग बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री पारमल शक्वील एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीयल लिमिटेड, परिमल भवन, गणपतराव मार्ग, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धारा में संचाल्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37जी/485/85-86 जो मास दिसम्बर 1985 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा गया है)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

प्रमुख भाग, टी. एन. एन. एन.

(1) श्रीमती उषा एन. कुर्नेकर  
10818/2 चतुरश्रुणी पूना—16

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) मेसर्स प्रंगल एण्ड कम्पनी ।  
प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स  
775/2 डी० जी० पूना—4

(अन्तरिती)

अर्थमय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना—1

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं० सं० 37ईई/5651—यतः सुर्गे, अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकेमेश्वर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 54/7, प्लॉट सं० 86, सब-प्लॉट  
सं० 4/ए ऐरेण्डवणा पूना ।

है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय  
बाधा गयी प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तिों को सूचित है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/5651/85-86 जो  
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 27-2-1986  
मोहर :

**रूप बार्ड**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज 106/107, कोरेगांव पार्क, पूना-1

पूना, दिनांक 5 मार्च 1986

निदेश सं० 37ईई/31/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 394/1, प्लॉट नं० 4, एस० टी० कलोनी के पास प्लॉट सं० 3, मधुमालती अपार्टमेंट्स सांगली है तथा जो सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीभाथ बिल्डर्स

394/1 मधुमालती अपार्टमेंट्स, एस० टी० कालोनी के पास सांगली।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविंद व्यंकटेश कुलकर्णी

लक्ष्मी निवास, सवत कालोनी सातारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन वीं लिए कार्यवाहियां कइता हूँ।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/31/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-3-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 109/607, कोरेगांव पार्क, पुना-1

पुना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 37ईई/10799—यतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 103 "निर्माण अमृत" निर्माण भूगर्भ सर्वे सं० 50 निलेमोरे नल्गासोपारा (डब्ल्यू) ता० बम्बई जि० थाभा (क्षेत्रफल : 676 चौ० फुट) है तथा जो थाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के संघर्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भिमणि एसोसिएट्स

40-41 विशाल जॉयिंग सेण्टर सं० एम० ह्वी०  
रोड, अंधेरी (ई) बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री केरसी पेट्रॉनजी बरीवा

मुल्तानी बंगला, खाभा लेन, खेटवाडी, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/10799/85-86 जो फरवरी 1986 के सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :



## सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निदेश सं० 37ईई/4899/85-86-यन: मुझे, अनिल

कुमार,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० सर्वे सं० 49, हिस्सा सं० 1/3ए तथा 1/3 बी, प्लॉट सं० 12, कोयरल्ले पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री पुष्कराज रिकबजी चौहान  
और अन्य 401 रविवार पेठ पूना

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अंकूर प्रमोटर्स  
"अमोल" 1226-सी शुक्रवार पेठ सुभाषनगर  
कालोनी लेन पूना 1.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37ईई/4899/85-86 जो दिसम्बर 1985 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 20-3-1986

मोहर :

**प्रकाशित टी. एन. एच.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37जी/517/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 103/21, एफ० पी० सं० 270/31 सब प्लॉट सं० 10, चैतन्य नगर, सेवडी अहमदनगर है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सुबी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का वही प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कट जाने के बन्तरण के व्ययत्व से कमी करने या उक्त बन्तरण से बुनिया के लिए; मोड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में बुनिया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बासूदेव विष्णु आढोल  
1146, शिवाजीनगर पूना—16

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश सदाशिव मोकाशी  
स्नेहल सहकारी गृह निर्माण संस्था चैतन्य नगर,  
सेवडी अहमदनगर

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/517/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 24-4-1986

मोहर :

प्रकरण भाग III टी. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ईई/4998/85-86---यतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओनरशिप प्लॉट-सी० टी० एस० सं० 387-  
ए, भवानीपेठ पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
एवं अथवा प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरक  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय का वास्तविक रूप से अन्तरक  
निबन्ध के अधीन करने के अन्तरक के वास्तविक रूप से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तर्गत  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स आसो एसोसिएट्स  
386, भवानीपेठ, पूना--2

(अन्तरक)

(2) श्री सोपानभैय मोहम्मदभैय कापाडिया  
299 भुसावगपेठ राज अपार्टमेंट्स  
पूना--42

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/4998/85-86, जो  
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 11-4-86

मोहर :

प्रत्येक बाई.टी.एन.एस.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं० 37ई/5274/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जहां सी० टी० एस० सं० 1156/10 और धोनेर रोड पुना है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दायर किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक सम्पत्ति अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बत या अन्य वास्तविकता को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा में, के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अरुण उर्फ जयकुमार चुनिलाल  
खिवसारा, 446 सफलाय गोखले कास रोड पुना  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश सीताराम मोरे  
शामाली प्रभात रोड, पुना--4  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम से कम हो रही हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:-इसमें प्रकृत पद्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ई/5294/85-86, जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 6-5-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 1 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ईई/5798/85-86--यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० 1265 सदाशिवपेठ पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कम कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिससे में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधाखर (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-176 GI/86

(1) मेसर्स जोशी प्रमोर्टर्स  
1217 सदाशिवपेठ पूना ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मौलम फाइनान्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०  
1319/2 सदाशिवपेठ पूना--30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/5798/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 1-4-86

मोहर :

## प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ईई/5322—यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 61 सर्वे सं० 45/5 ए० बी० सी० टी० एस० सं० 299 शीला विहार कालोनी एरेण्डावाणा पूना—4 में है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए न्यूनतम प्राप्ति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज—

(1) श्री अरविंद एस० किजवडेकर  
पी० सं० 61 शीला विहार कालोनी बर्वे रोड  
एरेण्डावाणा पूना—4  
(अन्तरक)

(2) चोपडा एसोसिएट्स  
एस० वाय चोपेडा, 1622 सदाशिवपेठ  
पूना—30 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में कि जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/5322/85-86, जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 पूना

तारीख : 28-4-1986  
मोहर :

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/5630/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 692ए-2ए-1-2 पुना सिटी प्लॉट नं० 21, पुना है तथा जो पुना में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

और प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० टी० छुमाक  
366, मंगलवार पेठ पुना 1

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एच० संचेती  
ए-16, आदिनाथ सोसायटी पुना-37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके सम्पत्ति के बाजार के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में प्रकट करा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के दृष्टांत 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/5630/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

प्रकृष्य जारी, टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/5323/85-86--यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरंजिपती सं० 61 शीला विहार कालोनी कर्वे रोड, पूना-4  
में स्थित है (श्रीरंजिपती उपखण्ड अनुसूची में श्रीरंजिपती रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्री अर्थात् अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जेंट रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल, के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश श्रीपाद किजवडेकर  
पी० के० 61 शीलविहार कालोनी कर्वे रोड,  
परुडवणा पूना—4

(अन्तरक)

(2) चाँपड़ा एसोसिएट्स  
पार्टनर एम० वाय० चाँपड़ा 1622 सदाशिवपेठ  
पूना—30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितक्षेत्रों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/5323/ 85-86 जो  
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जेंट रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, पूना

दिनांक : 6-5-1986  
मोहर :



आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पुना

पुना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/5324/85-86—अन: मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग सं० 61, शीलाविहार कालोनी  
पुना है तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गारंटी, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतिमिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उषा श्रीपाद किमवेठार  
प्लॉट सं० 61, शीला विहार, कालोनी कर्वे रोड,  
एरेडवाणा पुना-4  
(अन्तरक)

(2) चौपड़ा एसोसिएट्स  
एस० वाय० चौपड़ा 1622 मद्रासिवेठ  
पुना—30  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० सं० 37ईई/5324/85-86 जो  
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेज  
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, पुना

दिनांक : 6-5-1986  
मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 2 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/7804/86-867—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्हकी सं० फ़्लैट सं० 701, सातवां मंजला, लोक स्लिप  
प्लॉट सं० 59, सेक्टर 17 वसई नई वसई में स्थित है (श्रीर  
इसने उपरोक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरक से है कि किसी आय की बाबर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद  
में कमी करने या सबसे करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) श्री ललित सी० गांधी

लोक स्लिप कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
14 विशाल शायिंग सेक्टर सर० एम० ह्री०  
रोड, वसई ।

(अन्तरक)

(2) श्री शैलजा अयंगर

द्वारा ह्री० एम० अयंगर सं० 3 स्वायो  
हाजी बापू रोड, महेन्द्र नगर मुल्लाड (ई)  
वसई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
अवधारणा करता हूँ।

उपरोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वार्थकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/7804/86-87 जो  
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 2-5-1986

मोहर :

**सूचना क्र. 37 ईई/7452/85-86**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना**

**भाष्य संस्करण**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रेंज, पुना**

**पुना, दिनांक 2 मई 1986**

निदेश सं. 37 ईई/7452/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. प्लॉट सं. 215, सर्वे सं. 334, 338, रवि-इण्डस्ट्रीज अमर ज्योति को. प्रापेटिव हाउसिंग सोसायटी चिपारवडी थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुवर्ष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अथवा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शम्भू गोविंद मोहन और अन्य  
वडवके भाथा जि. थान

(अन्तरण)

(2) मेनसे मूरमई कम्प्यूशन  
पावर कम्पाउण्ड गणेश टाकीज के पास  
पचवाखडी थाना (डबल्यू)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य को निम्न कार्यवाही द्वारा करवाया है :

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होखी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37 ईई/7452/85-86 जो, दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

दिनांक : 2-5-1986  
मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० 37ईई/5547/85-86-यन: मुझे, अनिल  
कुमार,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्ट्री सं० प्लॉट नं० 131, सर्वे नं० 26, डहाणूकर कालोनी  
कोयंबड पूना-29 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर  
1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्त द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शेषित्व पर कमी करने या उसमें बचने में स्थिति  
के लिए, कोई/बा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भारतीय  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिति के लिए.

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
को, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

(1) श्री दीपक श्रीनिवास भाई

प्लॉट नं० 402 सी० साईड अपार्टमेंटम  
न्यू मार्ग, प्रभादेवी बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) कृषीकेश कन्स्ट्रक्शन

सी/ओ ए० के० बंगलवाड़ी 29 एल० ग्राममें सी०  
कालोनी पूना सनारा रोड, पूना-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया  
गया है।

वसुधैवी

जैना कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/5547/85-86 जो  
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है :

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 31-3-1986

मोहर :

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 मई 1986

निदेश सं० 37जी/119/85-86--यतः मुझे, अभिल  
कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी म० है, माला जो माला में स्थित है (और इसमें  
उपावृद्ध प्रतुची में प्रो. पूर्णपत्र वर्णित है), रजिस्ट्री की  
अधिकारी के कार्यालय, माला में, माला रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,  
1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक  
(अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रदान नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब (1) के अधीन  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

- (1) श्री दिगम्बर बी० गले  
1796 जूना टाम्बर लेन भागिक 1  
(मन्तरक)
- (2) श्री नीलेश रविंद्रा पुराणीक  
4470 घोलपवाडा पंचवटी तामि 1  
(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/419/86-87 जो सब-  
रजिस्ट्रार भागिक के भागिस में दिसम्बर 85 को लिखा गया  
है ।

अभिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-5-1986

मोहर :

प्रकृष बाई. टी एन. एम.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज- पुना

पुना, दिनांक 27 मई 1986

निदेश सं० 37जी/418/86-87—यतः मुझे अनिल  
कुमार

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं. 883/1/2/2 आगरा रोड नासिक  
है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उप बद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सब-रजिस्ट्रार नासिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किन्हीं धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती निमिषा बाई अनंत अंधोर  
1796 जून ताम्बर आली नासिक ।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीकांत गोविन्द पुराणीक  
4170 धोनापाडी पंचवटी नासिक ।  
(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार के राजपत्र के राजपत्र में बाई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4  
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में विज्ञापित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 2(1) के में परिभाषित  
हैं, उनका उचित अर्थ जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमा कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37जी/418/86-87 जो सब-  
रजिस्ट्रार नासिक के आफिस में दिसम्बर 85 को लिखा गया  
है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)  
अर्जन रेंज पुना

दिनांक : 27-5-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आचार्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना;

पूना दिनांक 27 मई 1986

निदेश सं० 37जी/420/85-86—यतः मुझे अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार में नासिक रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को बर्बाद है—

(1) श्री दिगम्बर बापूजी काले  
और अन्य 1796 जूना ताम्बर लाईन नासिक  
(अन्तरक)

(2) श्री शलेश गोपाल पुराणीक  
4470 घोलपवाडी पंचवटी नासिक।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/420/85-86 जो दिसम्बर  
85 को सब-रजिस्ट्रार नासिक के आफिस में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 27-5-1986  
मोहर :



प्रथम भाग टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० ए० आर० सं० 4636/II/86-87--अतः

मुझे ए० के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जेबलपुर सं० नं० 95/बी, 523  
चौ० मी० है। तथा जो बड़ोदा में स्थित है (और इसके उपाध्व  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
एकह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रेखी (अन्तररेखियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
आयत्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों  
अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री प्रकाश चिमनलाल शाह  
14वीं लेन खार  
बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) पंचरत्न एण्टाप्राईज  
भागीदार श्री रावजीमायी छोटाभाई पटेल  
सोनकमल शास्त्रीदाम  
आनंद ता० आनंद  
जिला--खेड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याख्याओं पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो जेबलपुर जि० बड़ोदा में स्थित है जिसका  
वास्तविक मूल्य 5,50,000/- रुपए है ।

ए० के० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 12-6-1986  
मोहर :

(अन्तरक)

(2) पंचरत्न एण्टरप्राइस  
भागीदार राजीभायी छांटाभायी पटेल  
सोनशमन शास्त्रीबाग  
आणंद

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (जिरीअज)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

અહમદાબાદ, દિનાંક 12 જૂન 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4637/II/86-87--अतः

मुझे ए० के० सिंह

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधिमत अंश 100/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० जमीन सं० नं० 95/बी पीट नं० 27 है।

नथा जो जेतनपुर बड़ादा में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ादा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसके यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए हर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :

कहें, यह सुचना जारी करके पुरातन संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति व अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के अवधि में उत्सृज्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना को भेजा है 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक हो सके, प्रस्तावित है, के भीतर पूर्वोक्त सूचना को प्रकाशित करना;

इस प्रकार, अन्तर्गत के अक्षय की तारीख से  
अन्तर्गत के अक्षय की तारीख में हितवद्ध  
अन्तर्गत के अक्षय द्वारा अन्तर्गत के अक्षय के पास

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक पदों का, जो उक्त  
निर्देशिका में बताया गया है 20-क को परिभाषित  
है, वही कार्य योग्य है। इस निर्देशिका में दिया  
गया है।

(क) बन्तरण से हुए किसी बाघ की वापस लवक अभिलेखों के अधीन कर दाँतों के अंतरक के बाधक में कभी करने या लवके बचने में सुविधा है लिए और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वाहन-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तत्काल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तस्ति द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जिसमें से मालिक को मिले;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
 नै. मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनसची

जमीन जो जेतलपुर जि० बड़ादा में स्थित है जिसकी वास्तविक मूल्य 5,50,000/- रुपए है ।

ए० के० मिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अहमदाबाद

दिनांक : 12-6-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

[illegible]

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमशवाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4638/86-87--अतः

मझे ए० के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-अ के अधीन सख्त सविनियोजित रूप से यह विवेचना करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य न्यायिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी में संज्ञा अम्बा आईना उमरा-टी० जी० एम० है। तथा जो 9-अन में स्थित है (आइड के उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-रण अधिकारी (37ईई ता 16) के अधीन दिनांक 28-11-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और इसके लिए निम्नलिखित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, अपने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक के लिए अनुमानित (निर्दिष्ट) और अनुरोध (अन्तर्निहित) के लिए अपने अनुरोध के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अनुरोध लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) बन्धन से हुए किसी काम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का अर्थ में अभिनिर्दिष्ट, 1922 का धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों : अर्थात् :-

(1) श्री नासी तैयवज। रेणमवाला  
107 सतार एफ वशी  
न्य वोम्ब्रे ।

(अन्तरक)

(2) अग्रवाल समाज ट्रस्ट  
द्वारा सी० एन० अग्रवाल  
सुव्रता बिल्डिंग  
स्टेशन रोड सुरत ।

अन्तरिणी)

को बड़े खुशना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीयां करना हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभाहस्ताधारी के पास स्थित हो किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

37ईई का फॉर्म पर कार्यालय में दिनांक 28-11-85 को पेश किया गया है ।

ए० के० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मौहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

इसके अंतर्गत 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० सी० आर० सं० 4639/II/86-87-अतः

मुझे ए० के० सिंघ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान गोभीपुरा सुरत-बोर्ड सं० 10 है। तथा जो नोंध सं० 1438ए 1437 और 1611 में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-11-1985

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हितवान अधिकार के लिए अस्तित्व में है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इससे कम होगा। अधिकार में ऐसे हितवान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :-

(1) श्री जतीनमायी जीवनमायी श्राफ और अन्य  
6 अरुणोदय सोसायटी  
अलकापुरी बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तयगच्छ  
आराधक संघ  
गोबपुरा सूरत।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों में, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जो गोभीपुरा सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 8223 नम्बर पर दिनांक 2-11-85 रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिंह

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-86

मोहर :

## प्रमुख भाग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4640/II/86-87--प्रतः  
मुझे ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1 से 18 फा० सं० 409 से 424  
है। तथा जो समा-बड़ीदा में स्थित है (और इसके उपाखण्ड  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई  
के अधीन दिनांक 2-12-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मासविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कितनी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—176 GI/86

(1) दिग विरेन्द्रसिंह इन्द्रासिंह जी सोलंकी  
वलसाड ।

(अन्तरक)

(2) म० कोमशियल कन्सल्टेशन क०  
215, कोमर्स हाउस  
मास्टर रोड  
बम्बई-400 083

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त भब्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

37ईई का फॉर्म पर कार्यालय में दिनांक 2-12-85 में  
पेश किया गया है ।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4641/11/86-87--अतः मुझे  
ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लोट सं० 2 आर० एस सं० 38 है। तथा  
जबलपुर बड़ौदा में स्थित है (और इसके उपरान्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन दिनांक 14-11-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) देवयानी सुरेशभायी पटेल  
हरिभक्ति कोलोनी  
रेस कोर्स  
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलासरन श्रीलाल  
धनबाद,  
बिहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लोट जो जबलपुर बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार  
बड़ौदा में दिनांक 14-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11 अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जून 1986

सं० पी० आर० नं० 46--अतः मुझे, ए० के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन और मकान आर० ए० नं०  
601 से 603 है, तथा जो टीका नं० 281/21 बड़ौदा  
में स्थित है। (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन 22 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरिश चन्द्र मणी लाल जाला  
कड़ीयापाल बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री खासाई दाउदभाई धनजी  
अरुणदेव सोसायटी, बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो बड़ौदा में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार  
बड़ौदा में दिनांक 12-11-1985 में रजिस्टर्ड किया गया  
है।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II प्रहारा

दिनांक : 18-6-1986

मोहर :

प्रकाशित: टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यमन्त्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद; दिनांक 1 जुलाई 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4643/II/86-8--प्रतः मुझे  
ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु., से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी आई बी० एल० सं० नं०  
28 गोरबा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
19-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० आर० सी० कन्स्ट्रक्शन  
भागीदार श्री कीटरीभाई खुशालदास शाह  
35/209 विजयनगर नारणपुरा  
ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान मोटर्स लि०  
9/1 आर० एन० मुखर्जी रोड,  
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका मूल्य  
4,59,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में दिनांक  
19-11-85 को 8043 नमब्र पर रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक : 1-7-1986

मोहर :





प्रथम भाग. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4645/II/86-87--प्रतः मुझे,

ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, टी० पी० एम० नं० 2  
बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उदा-  
वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-11-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
ध्वस्त प्रतिलोम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधि में अस्तित्व के रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
बाँट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम है—

1. मै० आर० सी० कन्स्ट्रक्शन  
कीरीटमाई खुशालदास शाह  
[2 उमी सोसायटी,  
बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान मोटर्स लि०,  
[9/1, मुखर्जी रोड,  
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका मूल्य  
5,13,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 8037  
नम्बर पर दिनांक 19-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

ए० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज II अहमदाबाद

दिनांक : 1-7-86

मोहर

## प्रत्येक भाग की एक एक

बाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4646/II/86-87:—अंतः सुसों,  
ए० के० सिन्हा,

बाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीरजिस्ट्री संख्या फ्लैट नं० 10, 11, 12 ए० 6, 7, 8,  
10, 12, 13, है तथा जो गोरखा बड़ीदा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 19-11-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय बाजकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० आर० बी० कन्स्ट्रक्शन,  
कोरीट भाई के० शाह  
2. उर्मि सोसायटी, सुमानपुरा,  
बड़ीदा

(अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान मोटर्स लि०  
आर० एन० मुखर्जी रोड,  
कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट जो बड़ीदा में स्थित है। जिसका मूल्य 18,18,000  
रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ीदा में 8039 नम्बर पर  
दिनांक 19-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 1-7-86  
मोहरः

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4647/II/86-87—मत: सुभे,  
ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० नं० 1061/1, लाखपाड़ पंकी  
जमीन है। तथा जो जमीन और मकान में स्थित है (और  
इसके उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडोयाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 28-11-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिप्त की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधवापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय दायता तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि से  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी दाय की दायता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बर्ष के अन्तरक के अन्तर्गत  
के करी करके या उक्त बर्ष में सूचना के लिए  
की/या

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
की, जिन्हें भारतीय दाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सूर्यकान्त हरभान भाई पटेल नडोयाद  
हाल मटोएल, तह० नडोयाद

(अन्तरक)

2. श्री शाह चन्दुलाल सुरजमल  
श्रीमति पद्मासुरन जे० शाह  
दिपिन कुमार जगदीश चन्द्र  
जगदीश चन्द्र चन्दुलाल शाह  
लखाबाद, नडोयाद

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्ष के लिए  
कार्यवाही करा जा रही है।

उक्त संपत्ति के बर्ष के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाकारी की  
यात सिद्धि में किए जा सकेंगे।

सन्देशकरण:—इसमें प्रकृत सन्देशों और यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं,  
नहीं बर्ष होता जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नडोयाद में स्थित है जिसका मूल्य  
7,00,000 रुपये है। सब रजिस्ट्रार नडोयाद में 3850  
नम्बर पर दिनांक 28-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

ए० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक: 4-7-1986  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4251:—अतः मुझे,

ए० के० चिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन और स्थान टी० पी० एन० 3  
पर एफ० पी० 394 एन० पी० 4 है तथा जो चन्द्र  
कालोनी में स्थित है सी० जी० रोड कोलेज के पीछे  
अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपावृद्ध अनुपुत्री में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 1-11-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

एसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है, जिसका जाना चाहिए था, लिखित में सूचित

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्  
7-176 GI/86

1. श्री महेश भाई तानुभाई मुन्गा के  
एक्जीक्यूटिव पीन तथा एस्टेट के  
श्री बीजू भाई तानुभाई मुन्गा और 2 अन्य विवेक  
चिमन लाल गिरधर लाल रोड नं० 1  
एलीम ब्रीज, अहमदाबाद-380006

(अन्तरण)

2. श्री पृथ्वी राज भारचन्द भारेख  
डायरेक्टर मर्यादा मर्कटाइल लिमिटेड  
20, ब्रिटिश इन्डियन स्ट्रीट  
रूम नं० 38 अलकता

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुपुत्री

जमीन और स्थान टी० पी० एन० 3 पर एफ० पी०  
394 एन० पी० 4 चन्द्र कालोनी में स्थित है सी० जी०  
रोड, लोको कालोनी के पीछे, अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं०  
12691/1-11-85

ए० के० चिन्हा  
सहायक प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-II अहमदाबाद

दिनांक: 24-6-1986  
मोहर:

क. आई. टी. एन. एस. -----

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्-रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जून 1986

निर्देश सं० पी० आ० नं० 4252:—अतः सूत्र, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन गणम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या बीयल सोम आ० एम० नं० 408

1, 2, 4 और 410, 412-1, है तथा जो भूया ब्लाक नं० 614 जमीन क्षेत्रफल 59411 की याई 12 एकर 11 गुंठा में स्थित है और इसके उत्तरावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण है (वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के द्वारा अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गन्धपूर्वक गन्ध का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती के द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क. आई. टी. एन. एस. अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियम अधिनियम

1. श्री नारायणभाई विमल गाल पटेल

गांव बीयल

तालुका—दणकोर

जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. मैमर्स बुलिन्टा एल्मीकेशन और ट्रेडिंग कम्पनी लि० के० आ० गाला पब्लिकेशन, आजाद डेरी रोड के नजदीक खीयाल, अहमदाबाद-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी कांशेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीयल सी० आ० एम० नं० 408-1, 2, 410, 412-1, तथा ब्लाक 614, बीयल में जमीन क्षेत्रफल 59411 वर्ग याई 12 एकर 11 गुंठा।

ए० के० सिन्हा

गणम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेंज- अहमदाबाद

दिनांक: 27-6-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

अमल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4253--अन० मुझे, ए० के०  
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरामिकी सं० राजपुर-हीरपुर एफ० पी० नं० 127 टी० पी०  
एस० 2 हिस्सा सं० 1 ए/1 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 880  
वर्ग गार्ड आसपास मजला नं० में स्थित है (श्रीरामिकी के उपावद्ध  
अनुसूची में प्रारंभिक रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) गुलबानु अरदेशा वाडीया  
कांकरिया रोड,  
वाडीया वीला,  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री लालजीभाई नटवरलाल ठक्कर  
न्यू विजय को० प्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड  
24, तेजम सोसायटी विभाग--2  
घाटलोडिया अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

राजपुर-हीरपुर एफ० पी० नं० 127 टी० पी० एस०-2  
हिस्सा नं० 1 ए/1 जमीन क्षेत्रफल 880 वर्ग गार्ड उपला मजला  
के साथ मकान रजिस्ट्रेशन नं० 13450/8-11-85

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रकरण आठ' सी.एस.एन. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4254—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिपुर्-हीरपुर एफ० पी० नं० 127 टी० पी० एस्-2 हिस्सा नं० 1-ए/1 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 880 वर्ग यार्ड और मजला मजलातक में स्थित है (अर्थात् इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यक्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यक्तमान प्रतिफल से, ऐसे व्यक्तमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य से अन्तः अन्तरण शिखर में अन्तः-धिक रूप से कायदेव शर्तों किया गया है।

(क) अन्तरण सं० हूँ, किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक या किसी कर या उसके अन्तर्गत में अन्तरक या अन्तरक/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) राममशा अरदेशाह बाडीया  
फांफरीया रोड,  
बाडीया बीना  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री लालजीभाई नटवरलाल ठक्कर  
न्यू बिजय को० ग्री० हॉ० सोभायटी लिमिटेड,  
24, तेजम सोभायटी विभाग—2  
घाटलोडीया, अहमदाबाद—2।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजपुर-हीरपुर एफ० पी० नं० 127 टी० पी० एस्-2 हिस्सा सं० 1-ए/1 जमीन क्षेत्रफल 880 वर्ग यार्ड मजला, उपला मजला के साथ रजिस्ट्रेशन नं० 13452/8-11-85

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :



प्ररूप. भाई. टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4255/—अनः सुम, ए० के०  
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एन० सं० 4465, 4466 और 4469  
कालपुर बोर्ड-3 लेनर्स है तथा जो राइट मेट्रल टोकीज के  
शीर्षक में जी० एफ० एफ० एफ० और एन० एफ० 734-  
2 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के  
पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) श्री सुर्यकान्त पाहेवसींग तगरशेठ और अन्य  
मेट्रल मिनेमा  
कुवांग, गांधी रोड,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री तारीलराम वागीमल  
डायरेक्टर वेन्कर फेब्रीकम प्राइवेट लिमिटेड  
465/11 फर्स्ट फ्लोर,  
सेवाडाका डहेला,  
साकर बाजार,  
अहमदाबाद-380002

(अन्तर्लिखित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्तव्य तरीके से पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यक्तिगतः—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, नहीं वर्णित होना या उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सी० एन० सं० 4465, 4466 और 4469 कालपुर बोर्ड-  
3 लेनर्स शहर मेट्रल टोकीज के शीर्षक में एच० जी० एफ०  
एफ० एफ० और एन० एफ० क्षेत्रफल 734.2 वर्ग मीटर  
रजिस्ट्रेशन सं० 12800/1-11-85 ।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० सी० आर० नं० 4258—अतः मुझे, ए० के०

सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भावनगर सी० एस० बोर्ड सं० 3 शीट सं० 41 ककड़ा नं० 159 दो मन्जला है। तथा जो मजान महेंदी चौक में दानापीठ भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीरती अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल दिनांकलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) में उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जो किसी अन्य अधिनियम, 1957 के अधिनियम के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निर्धारित दायित्व, अतः :—

(1) श्रीमती पद्मावती चीमनलाल महेता और श्रीमती जयश्रीबेन जयन्तीलाल महेता के/ओफ ध भारत युन्स और ओरल मिल्स जमुना कुंड रोड, भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) विहोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड एच० ओ० विहोर-30424 जिला—भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वेष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ रूप होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भावनगर सी० एस० बोर्ड सं० 3 शीट सं० 41 ककड़ा नं० 159 दो मन्जलावाला मजान महेंदी चौक में दानापीठ भावनगर रजिस्ट्रेशन सं० 3362/19-11-85

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

(अन्तर्गत)

(अन्तर्गति)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(क) अन्तर्गण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

## अनसची

(क) ऐसी किसी वायु या धन या अन्य आस्तिय  
को, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से धारण करने, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधोबन्धन अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था, जिससे  
व्यक्ति को लाभ;

दो मंजलावाला मकान परीमल को० ओ० हा० सोमायटी  
में प्लॉट नं० 41 टी० पी० एल०-3 एफ० पी० नं० 711,  
713 से 717 जमीन क्षेत्रफल 1149 वर्ग गार्ड और मकान  
550 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन सं० 10433, 10429, 10424  
और 10428/7-11-85।

ए० के० सिन्हा

अक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

कलकत्ता, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों —

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

## प्रथम भाग टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4248--अतः मुझे, ए० के  
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 15 एक० पी० 169, 170  
171 अन्य एस० पी० नं० 6 से है। तथा जो और 6वीं  
जमीन सत्यापाडी फो० ओ० हा० सोसायटी में 793 वर्ग यार्ड  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 4-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृष्टापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
आयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगित्त  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का  
उद्देश्य अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों

- (1) श्री सुमतीलाल चिमनलाल गोपाललाल  
श्रीमती सूर्यकान्ताबेन सुमतीलाल गोलवाला  
224, गुप्ता पारेखकी पोल,  
मदन गोपाल हवेली रोड,  
अहमदाबाद।  
(अन्तरक)
- (2) श्री कमलेश चांदमल शाह  
गंगा घीयाकी पोल,  
सांकडी शेरी,  
अहमदाबाद  
(अंतरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

टी० पी० एस० 15 एक० पी० 169, 170, 171 अन्य  
एस० पी० सं० 6ए और 6वीं जमीन सत्यापाडी फो० ओ०  
हा० सोसायटी में शेषफल 793 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन सं० 13004  
और 13005/4-11-85।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986  
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4259--अतः मुझे, ए० के०  
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस०-21 एफ० पी० 239/सी०  
और 239/डी० एस० पी० सं० 10 है तथा जो वस्त्रापुर सीम  
जमीन क्षेत्रफल 753 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-11-85,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाबा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित जो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
के कभी कभी या उक्त अन्तरण के सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-176 GI/86

(1) श्री रमनलाल केशवलाल अमीन  
मोदी डेली  
पोस्ट बावला, तालुक घोलका  
जिला--अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० सिद्धार्थ जशवंतलाल पोथीवाला  
ट्रस्टी श्रीमती धनलक्ष्मीबेन फेमिलीट्रस्ट  
वीसनगर (उ० गु०)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्थापन के लिए  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में दिया  
गया है ।

अनुसूची

वस्त्रापुर सीम टी० पी० एस०-21 एफ० पी० 239-सी०  
और 239-डी० एस० पी० सं० 10 जमीन क्षेत्रफल 753 वर्ग  
यार्ड प्लान्थ के साथ लेवल कंस्ट्रक्शन रजिस्ट्रेशन सं० 13547/  
18-11-85

ए० के० सिन्हा

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

रूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4260—अतः मुझे, ए० के०  
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० पी० एस्० 1 एफ० पी० सं० 248 मेम-  
नगर सीम जमीन है। तथा जो क्षेत्रफल 966.54 वर्ग  
मीटर और मकान 349.35 वर्ग मीटर में स्थित है (और  
इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-  
11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक को दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अशोककुमार रामभाई पटेल  
श्री गीरीशभाई लक्ष्मणभाई पटेल  
झाड़व रत रोड,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० पटेल  
चेयरमेन सन पेलैस को० ओ० हा० सोसायटी  
तीरथ नगर सोसायटी  
सोला रोड अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

टी० पी० एस्० 1 एफ० पी० सं० 248 मेमनगर सीम  
जमीन क्षेत्रफल 966.54 वर्ग मीटर और मकान क्षेत्रफल  
349.35 वर्ग मीटर एस्० आर० अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन  
सं० 13193 और 13202/6-11-85।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भावेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० 4261—अनः मुझे ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एम०-29 वाइज अंकुर कामशियल  
सेण्टर के नजदीक है तथा जो एफ० पी० नं० 92/93 टी० पी०  
एम० 29 जमीन 827 वर्ग मीटर मकान 253.83 वर्ग मी०  
37ईई फाइन किया है में स्थित है (और इसके उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-  
11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री बबुभाई विजयशंकर भट्ट  
31, श्रीमाली सोमायटी,  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) मेमर्स उदय को० ओ० हा० सोमायटी  
ओर्गेनाइजर पटेल अम्बालाल कधराभाई  
के/ओ० पटेल गांडाभाई हीरालाल  
25, महेसाना सोमायटी  
नया वाइज रोड,  
अहमदाबाद-13

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

टी० पी० एम० 29 वाइज अंकुर कामशियल सेण्टर के  
नजदीक एफ० पी० सं० 92/93 जमीन क्षेत्रफल 827 वर्ग  
मीटर और मकान 235.83 वर्ग मीटर 37ईई दिनांक  
7-11-85 को फाइन किया।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

हसन नगर, सी. एन. एन. एन.-----

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) में जमीन सूचना

नगर नगर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4262--अतः मुझे, ए० के०

सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एन० सं० 5725 शास्त्रीनगर नीलम  
बाग के सामने है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 3177.18 वर्ग  
मीटर कंस्ट्रक्शन के साथ में स्थित है (और इससे उगाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 22-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल में लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्णित प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्ध में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी नाम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के  
वास्तव में कभी करने या उचित रूप में सूचना  
के बिना नहीं/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, जितने के सूचना  
के बिना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
में जमीन, निम्नलिखित अधिकारों, जहाँ 8—

(1) श्री धनजीधई दामोदरदास पारेख और अन्य  
भागीदार अलग बीया गया पेटोके  
मेसर्स विमल ऑटोमोबाइल्स  
नीलम बाग के सामने भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जादव आर० पटेल  
भागीदार मेसर्स अखण्ड आनन्द बिल्डर्स  
ऐरोड्रम के नजदीक पटेल पार्क  
प्लोट सं० 270-ए  
भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही बर्ण होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सी० एन० सं० 5725 शास्त्रीनगर नीलमबाग के सामने  
भावनगर सी० एन० सं० 5725 जमीन कंस्ट्रक्शन के साथ  
क्षेत्रफल 3177.18 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन सं० 3393 से  
3399 दिनांक 22-11-85 ।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मचारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/3/37ईई/12-85/  
2581--अतः मुझे, जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 408 21 है तथा जो बाराखम्बा  
रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 1 दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कपूर प्रोपर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट  
16, एल, कनाट प्लेस नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम्. पी. सेठ एच० यू० एफ० एण्ड राकेश  
सेठ एच० यू० एफ०  
88 गुल्फ लिंक नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 408, लगभग क्षेत्रफल 595 वर्ग फीट । चौथा  
खण्ड, 21 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रकाश डी. ए. ए. ए.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एचयू०/३/३७ईई १२-८५/  
२५८६—अतः मध्ये, जगदीश मित्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यात्र संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 410, 21 है तथा जो बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) को अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की वास्त, उससे अधिनियम के अधीन कर देने की अस्तरक को वायित्व में कभी करने वा उससे अधिनियम में सुविधा को लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी नाम का किसी धन या धन्य जातिगतों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोषणार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टि के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नवांशतः—

(1) म० कपूर प्रोपर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट  
एल-16, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० कपूर फाइनेंस एण्ड लोजिंग कम्पनी  
बी-47, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

जब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

जबकि सम्पत्ति के अर्पण के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(\*) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 410, लगभग एरिया 500 वर्ग फीट चौथा  
खण्ड, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

जगदीश सित  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986  
मोहर :

ग्रुप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर-3/12-  
85/373--अतः मुझे, जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० प्लॉट नं० 145 है तथा जो सुन्दर नगर,  
नई दिल्ली ब्लाक 171, 145 के नाम से जानी जाती है  
(इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कहे देने में अन्तरक के  
साक्ष्य से कभी कबलें या उक्त द्यमान से द्यमान  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्जित :—

(1) श्री जवाहर लाल रकवान

श्री अमिल कुमार रकवान एण्ड अरुन कुमार रकवान  
निवासी--सी-624 न्यू फ़ैडिंग कालोनी  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मार्बल ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड।

19, आर० एन० मुखर्जी रोड, कन्दकता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 145 ब्लाक नं० 171, 145, सुन्दर नगर के  
नाम से जानी जाती है। चार ब्रैड रूम, तीन बाथरूम डाइंग  
डाइनिंग किचन तल खण्ड प्रथम खण्ड एक कमरा बाथरूम,  
दूसरा खण्ड दो गैरेज और चार चपगामी क्वार्टर्स 866 वर्ग  
गज।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधितारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष बाईं, टी. एम. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-85/

2371—अतः मुझे, जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 802 है तथा जो नई दिल्ली हाउस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्स्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित होने करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
कैश/स

(ख) ऐसी किसी आय या कितनी भव या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० नरेंद्र सिंह बाल एण्ड एम० गुविन्दर सिंह बाल हाउस नं० 2156, सेक्टर 15-सी चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र नाथ गुप्ता 10% श्री रविन्द्र नाथ गुप्ता एच० यू० एफ० 10% आशा रानी 15% विनोद गुप्ता 25% विनोद गुप्ता एच० यू० एफ० 15% श्रीमती रेखा रेखा गुप्ता 25 निवामी—कै-4/19, माडल टाउन दिल्ली-110009।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 802, आठवां खण्ड नई दिल्ली हाउस, नई दिल्ली  
फ्लैट एरिया 1004.5 वर्ग फीट 1 बाग़ोनी क्षेत्रफल 39 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र  
सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-85/

2381--अतः मुझे, जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० सपेस सं० 10 है तथा जो डा० गोपाल दाम  
भवन 28 बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) एस्टीमेटरी अधिकारी के  
कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय एस्टीमेटरी  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर  
1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
निक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

9-176 GI/86

(1) श्री गोपाल दाम एस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लिमि०  
28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अहुजा प्रोपर्टीज  
302, अशोक एस्टेट, 24, बाराखम्बा रोड  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 10 छठवां खण्ड डा० गोपाल दाम भवन 28  
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 सुपर एरिया 804:55  
वर्ग फीट।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

बसु बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-85/

2417--अतः मुझे जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सार्वजनिक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 9 है तथा जो डा० गोपाल दास भवन 28 बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग (प्रा०) लिमि० 28 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) अहुजा प्रॉपर्टीज 502 अणोका एस्टेट 24 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेम नं० 9 छठवां खण्ड डा० गोपाल दास भवन 28 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली-110001 सुपर एरिया 804:55 वर्ग फीट ।

जगदीश मित्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986  
मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1988

आ. ई. 0 ए. सी. 0/ए. यू. 0/3/37ईई/11-85/

2418—अन: मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो 8ए, डा० गोपाल दास भवन,  
28, बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
अतः यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग (प्रा०) लिमिटेड,  
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० अहुजा प्रोपर्टीज,  
502, अशोक एस्टेट, 24, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एस० सं० 8ए, छटवां खण्ड, डा० गोपाल दास भवन, 28,  
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001, सुपर एरिया 635  
वर्ग फीट ।

जगदीश मित्र;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1988

माहूर :

प्राकृतिक आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-85/  
2415—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (यहाँ इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो, स्पेश नं० 11ए 28, बाग़खम्बा रोड, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

अपूर्वकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानान्तरण प्रतिक्रम के लिए अस्वीकृत की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि अपूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिक्रम से, ऐसे स्थानान्तरण प्रतिक्रम का पेश प्रतिक्रम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरक (अन्तरक) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक पात्र या अन्तरक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निहित के अन्तरक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए, कोई/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरक द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, विधान के लिए के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) म० गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग (प्रा०) लिमिटेड, 28, बाग़खम्बा रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मिसेज नीना कोहली पत्नी एल० के० कोहली ई-197, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सवगन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बग़ावतकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 11ए, छटावा खण्ड, डाक्टर गोपाल दास भवन 28, बाग़खम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 (सुपर एरिया 635 वर्ग फीट)।

जगदीश मित्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :



प्रकरण : भा. अ. टी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-85/2439—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो 6 नीलगिरी अपार्टमेंट्स, 9, बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित बाजार मूल्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हें बढ़ाने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) मैं० कैलाशनाथ एण्ड एसोसिएट्स  
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० कान्ति लाल एण्ड सि० एन०  
द्वारा राकेश कुडगानी 86, बैंक कॉलोनी,  
लक्ष्मीनगर, दिल्ली—92।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लैट क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट नं० 6 चौथाखण्ड और एक खुला कार पार्किंग स्पेश, बहुमंजिला इमारत ग्रुप हाउसिंग स्कीम नीलगिरी अपार्टमेंट, 9 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली—110001

जगदीश मित्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 2-7-1986  
मोहर :

प्रूप. बाई. पी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37इइ/11-85/  
2450—अतः सुझे, जगदीश मित्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके द्वारा  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन लक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो आत्मा राम मेशन 134, कनाट  
प्लेस फ्लैट नं० 4 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में पूर्व खन में वर्णित है), एग्जिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय एग्जिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 13) के अधीन, दिनांक 7 नवम्बर 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसमें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुधा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से धरित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
को कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1907 (1907 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपान में आने का  
को बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

- (1) मै० आत्मा राम प्रोपर्टीज प्रा० लिमिटेड,  
सी-37, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) मै० आदित्य कैटलस प्रा० लिमिटेड,  
17-वी, तेज मण्डी, स्टेशन रोड, अलवर, राजस्थान।  
(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसा  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आत्मा राम मेशन 134, कनाट प्लेस, फ्लैट नं० 4, नई  
दिल्ली, लगभग क्षेत्रफल 4000 वर्ग फीट।

जगदीश मित्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986  
मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/37इइ/1-85/

2454—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० 3, 14,  
जनपद के नाम से जाना जाता है, में स्थित है और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
नवम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कट देने के अन्तर्गत के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री शिवदर्शन सिंह,  
9, पद्मपद लेन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० रावल अपार्टमेंट प्रा० लि०  
ए० बी० सी० भवन, एम-3, जगत प्लेस, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
समक्ष लिखित में एकत्र आने के लिए ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 124, प्लॉट नं० 3, 14, जनपद लेन के नाम से  
जाना जाता है ।

जगदीश मित्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रकृत आर्.टी.एन.एल.-----

- (1) नै० कैलाश पाथ एण्ड एसोसिएट्स  
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री अशोक कुमार बंसल एण्ड मित्र्स सुभाष बंसल  
डी-7, महाराजी, बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/3/37इइ/11-85/  
2501—अतः मुझे जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट सं० 3, 9, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री फर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाधत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुनी

एक आवासीय फ्लैट न० 3, क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट।  
चौथा खण्ड, ईस्ट ब्लॉक, फ्रंट ब्लॉक, एक खुला पार्किंग स्पेस  
बहुमंजिली आवासीय स्कीम, नीलगिरी अपार्टमेंट, 9 बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37इइ/11-85/

2502—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 3, 9, बाराखम्बा रोड, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करत या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—176 GI/86

(1) मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स  
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुगन्दर कुमार बंसल एण्ड श्रीमती इन्द्रा बंसल  
डी-7, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लैट नं० 3, सामने का ब्लॉक, 1600 वर्ग फीट, तीसरा खण्ड, एन.खुला पार्किंग, बहुमंजिली ग्रुप हाउसिंग स्कीम, नीलगिरी अपार्टमेंट, 9, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र,

सत्रम प्राधिकाारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 दिनांक नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37इड/11-85/

2541--अतः सूत्र, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
रु. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो नीलगिरि अपार्टमेंट 9 बाराखम्बा  
रोड में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-3,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से इस क्रम में अन्य की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाधित से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) पूर्ण किया जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था  
या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्—

(1) मै० कैलाशनाथ एण्ड एसोसिएट्स  
1003, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री धनोद कुमार जैन एण्ड अर्जुन जैन  
17, माधविया नगर, दुर्ग (यू० पी०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या दत्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसंधा

एक प्लेट तादादी 1600 वर्ग फीट और एक कार पार्किंग  
स्पेस बहुमंजिली इमारत ग्रुप हाउसिंग स्कीम, नोदगिरी अपार्ट-  
मेंट, 9, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

जदीश मित्र,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-85/  
2551—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिप्रीस० प्लॉट है, तथा जो कम्प्यूनिटो कॉम्प्लेक्स, बाग-  
खम्बा रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) वैसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ई, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भारत होटल्स लिमिटेड

सागर अपार्टमेंट 6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) दिनेश कन्वेंश प्रॉ. लिमिटेड

213, गृहेजा चेम्बरस नारीमन प्वाइंट, बम्बई-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड तादादो 8000 वर्ग फीट । प्लॉट आफ लैण्ड  
कमिश्नरल कॉम्प्लेक्स, बागखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकू०/3/37ईई/11-85/  
2572—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 407, 21, है तथा जो बाराखम्बा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उच्च बढ़ाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कपूर प्रोपर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट्स  
16-एल, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० पी० सेठ एच० यू० एफ० एण्ड शोबा  
द्वारा गौरव सेठ, 88, गुल्फ लिक्स,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिकृत अधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 407, लगभग एरिया 595 वर्ग फीट। चौथा  
खण्ड, 21; बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :



शारंग झाई, टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 ग (1) के अधीन संचन

मा. र. र. र. र.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/  
2379—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-187, है तथा जो कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-  
4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

की पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम की दरवाजा  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को चिन्ह भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहे या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विंग मजाम्बर वी० पी० भसीन (रिटायर्ड)  
मिस्टर देव भसीन कृष्णा विलास गमल सी बैंक  
रोड, मंसूरी-248179।  
(अन्तरक)

(2) मेयर्स तारावती सिधानिया  
एण्ड डी० सी० सिधानिया पी-24, ग्रीन पार्क  
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बन्धन में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० जी-107, 10वां खण्ड, हिमालय हाउस, कस्तूरबा  
गांधी मार्ग, नई दिल्ली-1, एरिया 833 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-86/

2380—अन: मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० डी०-114, 23, है तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुष्पा गम्भीर

डब्ल्यू 121-ए, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश इलाही श्रीमती नलत जनार्ण

श्रीमती नजमा साहू, नूर बिल्डिंग, तम्बाकोनर ट्रीट,

मुरादाबाद-2444001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० डी-114, 11वां खण्ड, हिमालय हाउस,  
23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-क्षेत्रफल-741 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर .

प्रकृत बाह्य टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राजस्व आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/

2425—अनः मुझे; जगदीश मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोरजिमकी सं० फ्लैट सं० 306, 14, हैमया जो के० जी०  
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (जिसे हमने उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक 1 नवम्बर 1985,

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा प्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जागतियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की व्यवधान  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंगल अन्नज प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा०  
लिमिटेड,

115, ग्रंथल भवन, 156, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता केले पत्नी वृध मोहन केले

बेबो दिव्या, बेलेवा, बेबी नीति केले

निवासी—30/7, जयिभ नगर, दिल्ली—7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, नहीं कार्य होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 306, अम्बा दीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली  
क्षेत्रफल 675 वर्ग फीट।

जगदीश मिश्र

मध्यम प्राप्ति गरी

महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रमाण सं. टी. ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

दस्तावेज संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/

2441—अतः सुमे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 112-बी, है तथा जो सुर्याकिरण, 19,  
के० जी० मार्ग, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संगत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
प्राप्त यथा प्रतिफल निम्नलिखित छहवें से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी नए की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० जे० बी० एम० भट्टाचार्यजी  
मैसर्स प्रीति भट्टाचार्य, 2-बी, रोम हाउस, 5-बी,  
कमेल स्ट्रीट कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) मैजिस्ट्रेट प्रा० लिमि०  
908, अमल भवन, 16, के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तिगत पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर की  
एक लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:— इसमें प्राप्त सख्तों और पदों, आ आ उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

112,बी, सुर्याकिरण बिल्डिंग, 19 कस्तूरबा गांधी मार्ग  
नई दिल्ली -1 जमा कार पॉलिग क्षेत्रफल ।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

**रूप माध. टी एन एस** -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं आई० ए० सी०/एच०/4/37ईई/11-85/

2461—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 406, 14, है तथा जो के० जी० मार्ग, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, और अर्जुन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—  
11—176 GI/86

- (1) प्रेमल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
115, ग्रानल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) एन० बी० आई० फाइनेंस कम्पनी  
एल-63, उषाट सर्कस, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 406, अम्बादीय 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट ।

जगदीश मित्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986  
मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्सू०/4/37ईई/11-85/

2463—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरंजिपकी सं० फ्लैट नं० 11, है तथा जो गौरी अपार्टमेंट  
3 और 4 पाउथ ईंड लेन, में स्थित है (श्रीरंजिपकी में उपावृद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिनियम के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961  
के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृष्टि किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स  
1006, कंचनजंगा, 18, वागखम्बा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आर० टी० मल्कानी एण्ड मास्टर टी० मल्कानी  
(छोटा) 26ए, बी० जी० खेर मार्ग, मालाबार,  
हिल, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

ए० आवासीय फ्लैट सं० 11, क्षेत्रफल 1520 वर्ग फीट  
प्रथम खण्ड चपरासी मकान नं० 11 क्षेत्रफल 130 वर्ग फीट  
प्रथम खण्ड, खुला भाग 500 वर्ग फीट। एक खुला कार पार्किंग।  
बहुमंजिली गुप्त हाउसिंग स्कीम गौरी अपार्टमेंट, 3 और 4 पाउथ  
एण्ड लेन, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०एक्यू०/1/37-ईई/11--  
85/2483--अन: मुझे, जगदीश मित्र.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०पी०-504, है तथा जो गांव विजवासन,  
तहसील मैहरोली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरिभावों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आवश्यक रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या जो कि ज्ञात चाहिए था, विज्ञान में सुविधा  
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
य. म. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) डालमिया डायरी इंडस्ट्री लिमिटेड  
11, ए० बी० सी०, आत्माराम हाउस, 1, टाल-  
सटाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह,  
मार्ता कुलदीप सिंह एच० यू० एफ० के०-14,  
हौजवास, एंग्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन की अवधि या तत्संबन्ध व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पट हाउस अपार्टमेंट म० स्पी०-504, 5वां खण्ड, डाल-  
मिया विहार, गांव विजवासन, तहसील मैहरोली, नई दिल्ली।  
2000 वर्ग फीट जमा एक फार पाकिंग स्पेस।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/

2485—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-304, है तथा जो बिजवासन, तहसील  
महरोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण  
रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-  
4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मास्ती के रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अवलोकन से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या जो प्रकट जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए.

अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 71  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डालमिया डायरी इंडस्ट्री लिमिटेड  
11, ए०बी० सी० आत्मा राम हाउस, 1, टालस्टाय,  
मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री रेप्पी जी दिवान, एण्ड मास्टर राहुल  
जी दिवान द्वारा छन्दबबाय एण्ड जेसोभाय  
अडवानी चैम्बरस सर फिरोजशाह मेहता रोड,  
बम्बई-1  
(अन्तरिती)

या यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्य में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० ए, 304, ब्लॉक ए डालमिया विहार, गांव  
बिजवासन, तहसील महरोली, नई दिल्ली क्षेत्रफल 1435  
वर्ग फीट।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :



सकल बाह'टी.एन.एच. -----

**बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/  
2525—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/रु. से अधिक है

अर्जन-रेज-4, फ्लेट नं० 502, 14, हैन्धाजी के० जी०  
मार्ग, में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है, आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन-रेज-4,  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण के लक्ष्य मान या उसके द्वारा के विषय  
में लिए, नोट/वा

(ख) ऐसा किसी अन्य या किसी अन्य या अन्य बास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय बाधकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्री प्रा० लिमिटेड  
115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अंसरीना सर्जिकल इम्प्लांटी प्रा० लिमिटेड  
25, नाराजी मार्ग, सुभाष मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के अन्तरण में कार्य की जांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इससे प्रकट करने और करने का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, नही रूप होगा या उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 502, अम्बादीप 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
क्षेत्रफल 505 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन-रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110 002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/

2516—आ० मुखे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरक्षिकी सं० फ्लैट नं० 501, 14, है तथा जो के० जी०  
मार्ग, में स्थित है (श्रीरक्षिकी सं० उपाय अनुसूची में पूर्व रूप से  
वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-4,  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 का  
16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
में, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अमल प्रीपरीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
115, अमल भवन, 16, के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमबीर सिंह पसरीचा  
25, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
षीत हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, अम्बादीप 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
क्षेत्रफल 505 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ के अधीन सूचना

भारत सरकार

अभ्यास, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/  
2542—अतः मुझे, जगदीश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिनकी सं० 34, है तथा जो फिरोजशाह रोड, में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूच, में पूर्व रूप में वर्णित है), आयकर  
अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा किया गया है :—

(1) कैलाश लाल एण्ड प्रोपियेटर्स  
1003, कैंचनजंगा 18 दाराकुम्वा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(1) श्री प्रमोद कुमार जैन एण्ड कुसुम जैन  
17, मालविका नगर, दुर्ग (एम० पो०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लैट क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट। एक  
कार पाकिंग, बहुमंजिली ग्रुप हाउसिंग स्कीम अधेश्वर  
अपार्टमेंट 34, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर

**रूप आई.टी.ए.ए.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली**

**नई दिल्ली दिनांक 3 जुलाई 1986**

निदेश सं० आर० ए० सी०/ए यू०/4/37ईई/11-85/-  
2546—अतः मुझे जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 903 14 है तथा जो के० जी०—मार्ग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) आयकर अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम (1961) 1961 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का द्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-1922 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
115 अंसल भवन 16 के० जी० मार्ग  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अनुपम थियेटर एण्ड एक्सबेटरस प्रा० लि०  
अनुपम सिनेमा मार्केट नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तम्यम्भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट सं० 903 अम्बादीप 14 के० जी० मार्ग नई दिल्ली । क्षेत्रफल 580 वर्ग फीट ।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली नई दिल्ली—

दिनांक : 3-7-1986

भीरु :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/11-85/  
2547--अतः मुझे जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 904 14 है तथा जो के० जी०  
मार्ग नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, जिसमें आयकर का भुगतान, नई दिल्ली प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच तम अंतरक के लिए न्यून पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरक जिससे वे सम्पत्तिक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) अंश प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
115 अंगन भवन 16 के० जी० मार्ग  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अनुपम थियेटर एण्ड एक्सीवीटर प्रा० लिमि०  
अनुपम थियेमा जो भाकेत नई दिल्ली।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 904 अम्बाला 14 के० जी० मार्ग नई  
दिल्ली। क्षेत्रफल 520 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—176 GI/86

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

**प्रकरण 'आई', टी. एन. एस. -----**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली

अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आहै० ए० सी०/एक्यू०/4/37/ईई11-85/

2574--अतः मुझे जगदीश मित्र

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 5 है तथा जो गौरी अपार्टमेंट नं० 3 और 4 माउथ एण्ड लेन है स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया अतिरिक्त, निम्नलिखित सूचनाओं में उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) बन्धन है कि किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन यह धर्म के अन्तरक में बाधित से कभी करों या इससे धर्म में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बात या किसी बंधन या अन्य बाधितों को, किन्तु भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था निम्न में सूचना के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कैलाश भाथ एण्ड एमोविस्ट

1006 कंचनजंगा 16 बानखम्बा रोड

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री इकीम भाथ रघुचन्द फार्मिंग प्रा० लि०

पी० बी० सं० 17321 नान बहादुर शास्त्री

मार्ग बंगला, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्म के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्म के अन्तरक में कोई भी बाधितः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से के किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लैट सं० 5, क्षेत्रफल 1520 वर्ग फीट 1 लान 500 वर्ग फीट 1 एक कार पार्किंग स्पेस 1 तल खण्ड बहुमजिली ग्रुप हाउसिंग स्कीम, गौरी अपार्टमेंट 3 व 4 माउथ एण्ड लेन, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रकाश बाई, पी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आहै० ए० सी०/ए. यू०/4/एस० आर-3/

11-85/326—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति द्वारा का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० रेकड सं० 43, है तथा जो खमरा सं० 8, 9, 12, 13, गांव नवानबिजवागन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से पूर्वोक्त सम्पत्ति के दृश्यमान प्रतिफल के अधीन कर के अन्तरक के दावत में कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिवनी डवर्स एण्ड एस्टेट प्रा० लि०  
115, अंस्तन भवन, 16, के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली-1.

(अन्तरक)

(2) डी० एल० प्रोपर्टीज  
2 कलाइव स्ट्रीट, नौस/1 खण्ड, ८  
रूम सं० 3 और 4 कलकता-700001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधें :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 12 बीघा रेकड सं० 43, खमरा सं० 8 (4-16), 9 (0-15) 12 (1-19) 13 (4-10) गांव बिजवागन, नई दिल्ली ।

जगदीश मित्र

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-86

मोहर :-

दिनांक : 3-7-1986  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन एन

**बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०-एक्यू०/4/37ईई/12-85/2642—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जी-107 है तथा जो हिमालय हाउस, के० जी० मार्ग में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्पत्ति का गढ़ा हो और यदि यह विश्वास करने का कारण है कि यथाशक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से होने पर कर्तव्य का, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराई धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या पैका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिनांक ०० वी० पी० भसीन एण्ड मिस्सर्स वेद भसीन दुधना बिल्डिंग प्रमेलन बैंड रोड, मैसूरु-248179।

(अन्तरक)

(2) मिस्सर्स गारावती विद्याधिया एण्ड मिस्टर डी० जी० विद्याधिया पो-24, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० जी-107, 10वां खण्ड हिमालय हाउस कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-1 क्षेत्रफल 833 वर्ग फीट (ग्रास)।

जदीश मित्र  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-86  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/12-85/  
2643—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० ए-2, है तथा जो मेरे सं० एस-20,  
फिरोजशाह रोड में स्थित है (श्रीर इसमें उदाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अजमेन  
रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उक्त प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) लाल गिरधर मैमोरियल फंडेशन हाउस  
तानसेन मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) उपाध्याय पब्लिकेशन प्रा० लि०  
हैदराबाद, द्वारा लोकल हाउस, पी० टी० आई०  
बिल्डिंग, पार्निगामेंट, स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आवासीय फ्लैट सं० ए-2, प्रथम खण्ड एण्ड मेरे सं०  
एस-20, बेसमेंट लाल गिरधर लाल मैमोरियल अपार्टमेंट  
28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वांसन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सँ० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/12-85/  
2655—अतः मुझे, जगदीश मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर.जिमकी सँ० फ्लैट सँ० ए-2, है तथा जो दीवान श्री,  
फिरोजशाह रोड में स्थित है (श्री इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक  
वाया तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और वा/

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैन ग्लाम वक्से प्रा० लि०  
जैन भवन, फिरोजशाह

(अन्तरक)

(2) हूट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड  
29ए-1, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्राप्ति कइये पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वादों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:-इसमें प्रवृत्त बर्षों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्ध 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ष होगा इ उक्त अन्ध में दिया  
गया है।

अनुसूची

आवासीय फ्लैट सँ० ए-2, दीवान श्री, फिरोजशाह  
रोड, नई दिल्ली क्षेत्रफल 2570 फीट।

जगदीश मिश्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/12-85/

2646—अतः मन्त्रे, जगदीश मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 607, 14, के० जे० मार्ग में स्थित है (जो इलाहाबाद उपखण्ड अन्तर्गामी में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिनियम के कार्यालय, अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक दिनांक 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्देश्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री अर्जुन प्रेम० एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, अर्जुन भवन, 16, के० जे० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एसी एन वेणु जयना मास्टर मास्टर प्रियंका जयना (मास्टर) पिता यु०/जी० डा० प्रदीप जयना 14, बबर लेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 607, अम्बादीप 14, के० जे० मार्ग, नई दिल्ली-2  
क्षेत्रफल 525 वर्ग फीट।

जगदीश मिश्र  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 3-7-86  
मोहर

(अन्तरक)

(2) दी दिव्य प्रकटित संघ ग्रुप को. आपरेटिव  
ग्राउन्ड दिव्य सोसायटी लि. हिमालय ।  
(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तत्प्राप्ति से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की **सहूलता से** 45 दिनों के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का षट्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

## अनसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गम्पति पूरि 53 को 15 मंगले जो हिसार में स्थित है  
जिज्जा अग्रिज धित्त व सिल्व्हीकर्ता के कार्यालय हिसार  
रजिस्ट्री संख्या 4900 दिनांक 25-11-85 पर दिया है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

वी० एल० खत्री  
रक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 24-6-1986

मोहिर :

**ENFORCEMENT DIRECTORATE  
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT**

New Delhi-110003, the June 1986

No. A.11/5/83.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri A. K. Sebdev in this Directorate to officiate as Enforcement Officer in Bombay II Zonal Office of this Directorate with effect from 27-2-1986 (Forenoon) and until further orders.

The 8th July 1986

No. A.11/16/83.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri C. Vijayan in this Directorate to officiate as Enforcement Officer in Bombay II Zonal Office of this Directorate with effect from 19-2-1986 (Forenoon) and until further orders.

A. K. ROY  
Chief Enforcement Officer (Admn.)

**CENTRAL VIGILANCE COMMISSION**

New Delhi, the 11th July 1986

No. 2/19/86-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Aroia a permanent P.A. of this Commission, as Sr. PA in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1010 with effect from the forenoon of 8-7-86 for a period of three months or until further orders whichever is earlier.

MANOHAR LAL  
Under Secy. (Admn.)  
for Central Vigilance Commissioner

**MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING,  
PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.)  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 28th May 1986

No. A-22020/51/83-AD-III —In supersession of Notification No. A-32012/1/85-AD. III dated 13-3-1986, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following ad-hoc Sr. P.As as Grade 'B' Stenographers on regular basis with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Date from which regularised
S/Shri		
1.	M. P. S. Chauhan	29-10-1985
2.	G. K. Guha	1-11-1985

K. CHAKRAVARTHI  
Dy. Director. (Admn.)  
CBI

New Delhi-3, the 8th July 1986

No. 3/27/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Saikia, IPS (Gujarat -1977) as Superintendent of Police, on deputation basis, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27th June, 1986 and until further orders.

The 11th July 1986

No. A 19032/1/79-AD-V.—The services of Shri D. K. Kochar, Junior Analyst/CBI/Head Office are placed at the

disposal of the Ministry of Steel and Mines, Department of Mines, New Delhi with effect from the forenoon of 23rd June, 1986, on repatriation.

D. P. BHALLA  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRPF**

New Delhi-3, the 8th July 1986

No. D.I-46/85-Estt.I.—The services of Shri Sohan Lal, Dy. S.P. are placed at the disposal of Bhakra Beas Management Board, Chandigarh under Ministry of Irrigation and Power (Deptt. of Power), New Delhi on deputation basis with effect from 24th March, 1986 (AN).

The 9th July 1986

No. F.2/23/86-Estt.(CRPF).—The President is pleased to sanction proforma promotion in officiating capacity to Shri Vasdev Bhanot, Dy. SP, presently on deputation to Directorate of Preventive operation under Ministry of Finance to the rank of Assistant Commandant in the pay scale of Rs. 1200-50-1700 wef 10-4-1986, the date on which his immediate junior officer from the panel of D.P.C. of 2/86 was promoted as Asstt. Commandant in CRPF.

ASHOK RAI MAHEFPATHI  
Asstt. Director (Estt.)

**DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 3rd July 1986

No. E-16013(2)/1/86-Pers.I.—On appointment on deputation Shri G. S. Rath, IPS (Bihar : 77) has assumed charge of the post of Commandant CISE Unit, NALCO Angul, with effect from the forenoon of 10th June, 1986.

The 10th July 1986

No. E-16014(2)/3/85-Pers.I.—On appointment on transfer basis, Shri Parna Singh, Dy. Chief Security Officer, NAPP Narora (UP) has assumed charge of the post of Deputy Commandant CISE Unit, CCWO Dhanbad with effect from the forenoon of 26th June, 1986

No. E-32015(3)/11/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri J. R. Gupta Deputy Commandant as Commandant (Trg.) CISE Hors, New Delhi with effect from the forenoon of 6th June, 1986 on regular basis.

The 11th July 1986

No. E-32015(2)/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri P. Balakrishna Pillai, Asstt. Comdt. on promotion as Commandant CISE Unit, DSP Durgapur with effect from the forenoon of 23-6-1986, on regular basis.

No. E-32015(3)/4/84-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Chet Ram Singh, Asstt. Comdt. (Ad-hoc Commandant) to the rank of Deputy Comdt., CISE Unit, FCL Satalpur with effect from the forenoon of 11th June, 1986 on regular basis.

SUNIL KRISHAN  
Director General/CISF

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA**

New Delhi, the 8th July 1986

No. 13/18/85-Ad.I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Gulati, Deputy Director of Census Opera-

tions in the office of the Registrar General, India, New Delhi, relinquished the charge of the post of Deputy Director of Census Operations in the same office, with effect from the afternoon of 30-6-1986.

V. S. VERMA  
Registrar General, India

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 8th June 1986

No. Admn.1/8-132/86-87/63.—The Accountant General (Audit)-I A.P. Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against them until further orders.

*Name and Date of assumption of charge*

1. Sri M. Gopala Krishna Murthy, 20-6-1986 FN
2. Sri Y. V. S. Rajasekhar, 17-6-1986 AN

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors, if any and are also subject to the result of the Writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Estt. (Pt.I), dated 26-9-1981.

The 10th July 1986

No. Admn.1/8-132/86-87/67.—Sri K. Rajeswara Rao-II and Sh. K. S. Peter, Audit Officer, Office of A.G. (Audit)-I, A.P., Hyderabad retired from service on the A.N. of 30-6-1986.

Sd./- ILLEGIBLE  
Sr. D.A.G. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th July 1986

No. Admn.1/A&E/1/8-88/86-87/116.—The Accountant General (A&E), A.P. Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officers to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

*Name and Date of assumption of charge*

S/Shri

1. P. Subbukrishnaiah, 10-12-1985 F.N.
2. Ch. Subba Rao II, 01-07-1986 FN.

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors, if any, and are also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

Sd./- ILLEGIBLE  
Dy. Accountant General  
(Administration)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

N. F. RAILWAY

Guwahati-781 011, the 27th May 1986

No. S.O.O. No. 24.—Consequent on his permanent absorption in the Indian Telephone Industries Limited, the lien of Shri Purnendu Lahiry, a permanent member of Audit Officer

Cadre is terminated under F.R-14(A)(d) with effect from 01-05-1985.

Sd./- ILLEGIBLE  
Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 11th July 1986

No. 1447/A-Admn/130/82-85.—Consequent on his permanent absorption in the Central Pulp and Paper Research Institute, Dehra Dun with effect from 26-11-1985 (FN), the lien of Shri C. P. Saxena, substantive Audit Officer, Defence Services has been terminated in terms of F.R.14-A(d) from the same date.

No. 1464 A-Admn/130/82-85—Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned officiating Asst. Audit Officers to officiate as Audit Officers until further orders, from the date noted against each :

Sl. No.	Name & Designation	Office in which appointed	Date from which appointed
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	C. K. P. Rao, Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (CC) MEERUT	17-4-86
2.	M. C. Pant, Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (WC) CHANDIGARH	29-5-86
3.	A. N. Mukherjee, Asstt. Audit Officer	Dy. Director of Audit Defence Services (CC) ALLAHABAD	24-6-86
4.	Alok Bhattacharya, Asstt. Audit Officer	Audit Officer Defence Services (WC) DELHI CANTT.	24-6-86
5.	G. Ramachandran, Asstt. Audit Officer	Director of Audit (Air Force & Navy) NEW DELHI	16-6-86 (AN)
6.	Ghasita Singh Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (CC) MEERUT	30-6-86 (AN)

B. S. GILL  
Jt. Director of Audit  
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

D. G. O. F.

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700001 the 3rd July 1986

No. 7/86/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Tritunjoy Mukherjee, Offg. Personal Secretary (Substantive and Permanent Steno. (Gr. II), retired from service w.e.f. 30-6-86(A/N).

S. DASGUPTA,  
Dy. Director General/Admin.  
For Director General, Ordnance Factories

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 3rd July, 1986

No. 35/G/86—Consequent on the transfer of stage/inter stage inspection responsibilities from DGI to DGOF w.e.f 15-10-1984, the President is pleased to appoint the undermentioned transferee DGI officers in IOFS to the grades specified against each :

Sl. No.	Name	Grade in IOFS to which appointed
SSOI/SAO		
S/Shri		
1.	F. C. Prabhakaran	Senior Time Scale (Engineer)
2.	S. K. Kapur	Do.
3.	A. V. Chikodikar	Do.
4.	G. P. Modi	Do.
5.	P. Jayaraman	Do.
6.	M. C. Vidyarthi	Senior Time Scale (Non-Technical)
7.	S. K. Kulshrestha	Do.
8.	R. Srinivasan	Senior Time Scale (Chemist)
9.	K. P. Bhargava	Senior Time Scale (Metallurgist)
10.	P. M. Sengupta	Do.
11.	R. N. Roy	Do.
12.	K. C. Tripathy	Do.
13.	U. N. Sharma	Do.
14.	S. R. Sen Gupta	Do.
SSO-II		
1.	R. Ranganathan	Junior Time Scale (Engineer)
2.	V. H. Halagiri	Do.
3.	A. K. Chaudhary	Do.
4.	J. W. Pande	Do.
5.	D. N. Ghosh	Do.
6.	Hans Raj	Do.
7.	M. L. Sood	Do.
8.	Om Prakash Gupta	Do.
9.	B. B. Dass	Do.
10.	B. V. Bodas	Do.
11.	B. K. Nayak	Do.
12.	V. Srinivasan	Junior Time Scale (AWM-Chemist)
13.	H. C. Pathak	Do.
14.	P. R. Gayen	Junior Time Scale (Metallurgist)
15.	A. K. Lala	Do.
16.	C. K. Dikshit	Do.
17.	A. K. Jauhari	Do.
18.	D. V. Ramasarma	Do.
19.	P. C. Gupta	Do.
20.	S. R. Kuswaha	Do.

M. A. ALAHAN  
Jt. Director/G

## MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 2nd June 1986

No. A-19018(757)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Inderjeet Khushu, Technical Officer, Directorate of Industries and Commerce, Govt. of Jammu & Kashmir, Srinagar as Asstt. Director (Gr.I) (Food) at Branch Small Industries Service Institute, Suri under Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 24-4-86 until further orders.

No. A-19018(779)/85-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Director in the Department of Public Enterprises, New Delhi, Shri K. P. Singh relinquished charge of the post of Director (Gr.I) (General Administration Division) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the forenoon of 16th May, 1986.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF MINES  
(INDIAN BUREAU OF MINES)

Nagpur, the 10th July 1986

No. A-19011/77/86-Estt.A.PP.—On his voluntary retirement on 30-6-86 (Afternoon) Shri Y. B. Sammanwar, permanent Deputy Mineral Economist (Int.) has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1-7-86 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department from the said date.

No. A-19011/363/86-Estt.A.PP.—On his voluntary retirement on 30-6-86 (afternoon) Shri M. K. Rao, permanent Mineral Officer and officiating Asstt. Mineral Economist (Stat.) has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1-7-86 and effective establishment of this department from the said date.

P. P. WADHI,  
Administrative Officer,  
for Controller General,  
Indian Bureau of Mines.

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st July 1986

No. 17/4/86-S/IV—Consequent upon their promotions, the undermentioned Senior Engineering Assistants, have assumed the charge of the posts of Assistant Engineer at different offices of Doordarshan from the dates as shown against each:—

S. No.	Name	Station/Office	Date of joining
1.	Sh. R.D. Agarwal	TVMC, Jaisalmer	21-1-86 (FN)
2.	Sh. D. Sreedhar	TVMC, Satara	6-6-86 (AN)
3.	Sh. N. Kuppaswamy	UDK, Cuttack	29-5-86 (FN)
4.	Sh. N. L. Godbole	TVMC, Bilaspur	31-5-86

B. S. JAIN  
Dy. Director of Administration  
for Director General



BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd July 1986

No. PA/79(19)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Harikrishana Naidu Saiprakash, permanent Upper Division Clerk in Indira Gandhi Centre for Atomic Research and officiating as Assistant in this Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis from January 13, 1986 (AN) to June 11, 1986 (AN) and on regular basis with effect from the forenoon of June 12, 1986 until further orders.

C. G. SUKUMARAN,  
Dy. Establishment Officer.

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 8th July 1986

No. E(I)00840.—The request of Shri K. P. Dawale, Meteorologist Grade I, India Meteorological Department to retire voluntarily from the Government service under Rule 48(A) of Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 has now been agreed to and consequently he stands retired with effect from 19-10-1982 (Afternoon).

S. D. S. ABBI,  
Dy. Director General of Meteorology,  
(Administration & Stores),  
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th June 1986

No. A. 12025/6/81-ES.—On the recommendation of the U.P.S.C., the President is pleased to appoint Shri M. Rajendran, as Air Safety Officer (Engg.) in the pay scale of Rs. 700-1300 in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from 18-6-1986 and until further orders.

M. BHATTACHARJEE  
Dy. Director of Administration.

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 2nd July 1986

No. 11/86.—Consequent upon his promotion, vide Ministry's Order No. 75/1986 dated 19-5-86 (F. No. A-32012/2/86-AD-II) Shri K. K. Chadha Supdt. C. Ex. Gr. 'B' has assumed his charge as Sr. Supdt. Gr. 'A' in Nagpur Collectorate in the forenoon of 10-6-86.

The 3rd July 1986

No. 12/86.—Consequent upon their promotion as Administrative Officer Gr. 'B' the following Office Supdt. of C. Ex. have assumed their charges as Administrative Officer, Central Excise Gr. 'B' w.e.f. the dates as shown against each.

Sl. No.]	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	A. S. Datar	Examiner of Accts., Hqrs. Office, Nagpur	17-6-1986 F/N
2.	D. L. Dafe	Administrative Offr., Div.-J, Nagpur	18-6-1986 F/N

R. K. AUDIM  
Dy. Collector (P&E)

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION  
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th July 1986

No. 9/86 C. No. 1041/28/86.—Shri B. Basu, lately posted as Asstt. Collector Customs, Calcutta, on his transfer to the Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's order No. 98/85 dated 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012/42/85-Ad. II, assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi on 17-6-86 (FN).

H. M. SINGH  
Director General of Inspection

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 10th July 1986

No. A-19012/1115/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Nagendra Prasad Singh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 27-6-1985.

MEENAKSHI ARORA  
Under Secy. (C)  
Central Water Commission

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 1st July 1986

No. 3-743/86-Estt (M).—Shri Ram Singh is appointed to the post of Asstt. Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in Central Ground Water Board w.e.f. 23-6-86 (FN).

S. K. DAS  
Chief Engineer & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th July 1986

No. 32/3/85-EC-II—On attaining the age of superannuation the following officers of the CPWD belonging to the CES Grade 'A' and working as EE(C) in the office mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the dates indicated against their names :

Sl. No.	Name of the officer	Date of retirement	Last posting station and designation
S/Shri			
1.	A. S. Kanwar	30-6-86 (AN)	SSW(II) NZ. R. K. Puram, New Delhi
2.	N. S. Raheja	30-6-86 (AN)	Valuation Unit, Indore, I. T. Deptt Indore.

M. M. DASS  
Dy. Director (Training)  
for Director General (Works)

New Delhi, the 9th July 1986

No. 33/2/83-EC IX.—The President is pleased to appoint Shri Satish Kumar, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 6-6-1986 on the usual terms and conditions.

2. Shri Satish Kumar is pleased on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

PRITHVI PAL SINGH  
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
M/s. Meghdoot Finance and Instrument Company Private  
Limited*

Patna, the 3rd July 1986

No. 1068/560/1746.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s Meghdoot Finance and Instrument Com-

pany Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
Mahabir Constructs Private Limited*

Patna, the 3rd July 1986

No. 1782/60/560/1749.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. Mahabir Constructs Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
Bright Food Products Private Limited*

Patna, the 3rd July 1986

No. 1481/59/560/1752.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s, Bright Food Products Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

R. A. SINGH  
Registrar of Companies  
Bihar, Patna

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 24th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/87/85-86.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Land measuring 53 kanals 15 marlas  
situated at Hissar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hissar under Registration No. 4900 dated 25-11-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Lal Chand s/o Shri Teja Singh  
r/o Dabra Teh. Hissar. (Transferor)
- (2) The Visay Adhyatmik Sangh Group,  
Co-op. House Building Society Ltd.  
Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 53 kanals 15 marlas situated  
at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered  
at Sr. No. 4900 dated 25-11-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/86/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 28 kanals 10 marlas situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 4899 dated 25-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ch. Brij Lal Bishnoi s/o  
Ch. Pat Ram r/o H. No. 119,  
Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) The Visav Adhyatamik Sangh Group  
Co-op. House Building Society Ltd.  
Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals 10 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4899 dated 25-11-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 3rd July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG 114/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 42 kanals 3 marlas situated at Kanhai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5103 dated 20-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
14—176 GI/86

- (1) Shri Mawasi s/o Sri Rikha  
r/o Kanhai. (Transferor)  
(2) M/s Delhi Towers and Estate (P) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasiurba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanals 3 marlas situated at village Kanhai Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5103 dated 20-11-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SHD/31/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 21 kanals 1 marla situated at village Chhabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahabad under Registration No. 945, 988 & 1094 dated 21-11-85, 5-12-85 and 1-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Lal s/o  
Shri Bhagwan Dass s/o  
Shri Manu Ram r/o Shahabad. (Transferor)
- (2) The Nav Niketan Co-op. House  
Building Society Ltd. Shahabad,  
Teh. Thaneshar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals 1 marla situated at village Chhabra & as more mentioned in the sale deeds registered at Sr. No. 945, 988 & 1094 dated 21-11-85, 5-12-85 and 1-1-86 respectively with the Sub Registrar, Shahabad.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal :

**FORM 118****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 2nd July 1986

C.R. No. 62/49232/85-86/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at 17, Brunton Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore on 18-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shavak Ardhshir Irani,  
17, Brunton Road,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) S. K. Gandhi,  
Pushpa Gandhi  
No. 89/1, J.C.Rd.,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 240/85-86 dated 18-11-85)  
Portion of Property No. 17, Brunton Rd., Bangalore.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1986

C.R. No. 62/49228/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at 17, Brunton Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 14-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shavak Ardhshir Irani,  
17, Brunton Road,  
Bangalore

(Transferor)

(2) Kadapa Madhukar Reddy,  
& another, II/362/I,  
Co. op. Socy., Madanapalli,  
Chittur 517326.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2455/85-86 dated 14-11-85)

Property at 17, Brunton Road, Bangalore.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1986

C.R. No. 62/49229/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at 17, Brunton Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shavak Ardhshir Irani  
17, Brunton Road,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Ratnakar Achyut Shambag  
2. Vijaya Ratnakar Shambag,  
476, 19th Main, 4th Block,  
Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2454/85-86 dated Nov. 1985)

Portion of Property bearing No. 17, Brunton Road, Bangalore.

R. BHARADWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd July 1986

C.R. No. 62/49058/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Bidhur village, Kasaba Hobli, Devanahalli Tq., Bangalore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devanahalli on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Chetan Desai  
R/o 28, Vishwanatha Rao Road,  
Machavanager,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Mahesh Alva,  
W/o D. K. Macappa Alva  
517, Rajmahal Vilas Extn.,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered document No. 924 dated 25-11-85)

Property situated at Bidhur village, Kasaba Hobli, Devanahalli Tq., Bangalore Dist.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1986

C.R. No. 62/R-1785/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 67/1D situated at Lavelle Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at with the consent of the said Officer in his office at Bangalore under Registration No. 1648/85-86 dated 13-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Shabir Abbas Bhai Lokhandwala,  
Mr. Sadiq Hussain Shamsuddin Pachorawala,  
Mr. Mohamadi Hussain Bhai Vadrnagar wada,  
No. 20 Mission Road,  
Bangalore-560027.

(Transferor)

- (2) Mr. Suresh Vaswani,  
Mrs. Geeta Vaswani,  
No. 22, Lavelle Road,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1648/85-86 dated 13-11-1985)

Site bearing No. 67/1D (Portion of old No. 5) Lavelle Road, Bangalore.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/5679/37EE/1985-86.—

Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Bungalow No. 26-A, S. No. 226, Bombay Pune Road, Kirkee Cantonment, Kirkee, Pune-3 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Dhun Elvis,  
Mrs. Sara Khan and  
Miss Rhoda Khaombhadia,  
16 Napier Road,  
Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri D. T. Aroda & 3 Others,  
1 Moledina Road,  
Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 26-A, S. No. 226, Bombay Pune Road, Kirkee Cantonment, Kirkee, Pune-3.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the T.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5679/1985-86 in the month of Dec 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Pune

Date : 12-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/485/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. F-7 (Part) in Tarapur Industrial Area situated at Kolvade, Gram Panchayat Kolvade, Zilla Parishad, Thane Taluka Panchayat Samiti Palghar situated at Kolvade (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
15—176 GI/86

- (1) United Motor (India) Limited,  
39 N. S. Patkar Marg,  
Bombay. (Transferor)  
(2) Piramal Oxygen & Steel Industries Limited,  
Priamal Bhavan,  
Ganpatrao Kadam Marg,  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. F-7 (Part) in Tarapur Industrial Area situated at Kolvade, Gram Panchayat Kolvade, Zilla Parishad Thane and Taluka Panchayat Samiti Palghar.

(Property as described in the sale deed registered in the Office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 485/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Pune

Date : 12-6-1986  
Seal :

**FORM ITNS—**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 27th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5651/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 54/7 Plot No. 86, Sub Plot No. 4/A, open Plot Erandwana, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Usha N Kurlekar,  
108/8/2 Chatushringi,  
Pune-16,

(Transferor)

- (2) M/s Angal & Co. Promoters & Builders,  
775/2 Deccan Gymkhana,  
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

S. No. 54/7 Plot No. 86, Sub plot No. 4/A, Open Plot, Erandwana, Pune-4.  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5651/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Pune

Date : 27-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/31/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 364/1, Plot No. 4, Flat No. 3 at "Madhumalati Apartments, Sangli situated at Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrinath Builders,  
364/1 Madhumalati Apartments,  
Near S. T. Colony,  
Sangli.

(Transferor)

- (2) Shri Govind Venkatesh Kulkarni,  
Laxmi Niwas,  
Sawat Colony,  
Satara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Sr. No. 364/1 Plot No. 4, Near S.T. Colony, Sangli.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 31/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Pune

Date : 5-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10799/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103 on first floor in Nirman Amrut, at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Nirman Associates,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla-Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. Kersi Pestonji Variava,  
Multani Building,  
1st floor, Khambata Lane,  
Khetwadi,  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, on first floor, in "Nirman Amrut" at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W), Tal. Vasai, Dist. Thane.  
(Area 676 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under No. 10799/1985-86 in the month of February 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Pune

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4899/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 49, Hissa No. 1/3 A &amp; 1/3 B Plot No. 12 Kothrud Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pukharaj Rikbaji Chauvan & Smt. U. B. Chauvan,  
401 Raviwar Peth,  
Pune.

(Transferor)

- (2) M/s Ankur Promoters,  
"Amol" 1226-C Shukrawar Peth,  
Subhashnagar Colony Lane,  
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 49, Hissa No. 1/3 A and 1/3 B Plot No. 12, Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4899/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-Pune

Date : 20-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/517/1986-87.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at S. No. 103/21, F.P. No. 270/31, Sub-Plot No. 10, Chaitanya Nagar, Savedi, Ahmednagar situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vasudeo Vishnu Aarole,  
1146 Shivajinagar,  
Pune-16.

(Transferor)

(2) Ramesh Sadashiv Mokashi,  
The Chairman, Snehal Sahakari Griha  
Nirman Sanstha, Chaitanya Nagar,  
Savedi, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 103/21, F. P. No. 270/31 Sub Plot No. 10 Chaitanya Nagar, Savedi, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 517/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 14-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/4998/1985-86/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ownership flat in C.T.S. No. 387-A Bhavani Peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Baso Associates,  
386 Bhavani Peth,  
Pune-2.

(Transferor)

- (2) Shri Shoaibhai Mohammedbhai Kapadia,  
299 Guruwar Peth,  
Raj Apartment,  
Pune-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Ownership flat in C.T.S. No. 387-A Bhavani Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4998/1985-86 in the month of Dec., 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 11-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5294/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open Plot at C.T.S. No. 1156/10 Aundh, Off-Aundh-Baner Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arun Alias Jaykumar Chunilal  
Khinvasara, 446 'Safalam' Gokhale  
Cross Road, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Sitaram More,  
"Shamali" Prabhat Road,  
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot at C.T.S. No. 1156/10 Aundh, Off-Aundh-Baner Road, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5294/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 6-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5798/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 1265 Sadashiv Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

16—176 GI/86

- (1) M/s Joshi Promoters,  
1217 Sadashiv Peth,  
Pune.

(Transferor)

- (2) M/s Mousam Finance & Investment Pvt. Ltd.  
by its Managing Director Shri V. D. Joshi,  
1319/2 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1265 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5798/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 1-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5322/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at land Plot No. 61, S. No. 45/5AB CTS No. 299 Sheela Vihar Colony, Erandwane, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arvind S. Kinjwdekar,  
P. No. 61 Sheelavihar Colony,  
Karve Road,  
Erandwane,  
Pune-4.

(Transferor)

(2) Chopde Associates,  
through its partner S. Y. Chopde,  
1622 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Land and building at Plot No. 61, S. No. 45/5AB C.T.S. No. 299, Sheela Vihar Colony, Erandwane, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5322/1985-86 in the month of Dec., 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 28-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri B. T. Dhumal,  
366 Mangalwar Peth,  
Pune-11.

(Transferor)

(2) Shri H. H. Sancheti,  
A-16 Adinath Society,  
Pune-37.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5630/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 692A-2A-1-2 Pune City, Plot No. 21, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 692-A-2A-1-2 Plot No. 21, Pune City.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5630/1985-86 in the month of Dec., 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 6-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/53235/1985-86. -  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
situated at 61 Sheela Vihar Colony, Karve Road, Pune-4  
situated at Pune..  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.  
Range, Pune in December, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Prakash Shripad Kindjwdekar,  
P. No. 61 Sheelavihar Colony,  
Karve Road, Bandwane,  
Pune-4. (Transferor)
- (2) Chopde Associates,  
Through its partner S. Y. Chopde,  
11622 Sadashiv Peth,  
Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXX of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Situated at 61 Sheela Vihar Colony, Karve Road, Pune-4.  
(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under  
document No. 5323/1985-86 in the month of December,  
1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 6-5-1986.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/5324/37EE/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Building 61, Sheelavihar Colony, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Usha Shripad Kinjwadekar,  
P. No. 61 Sheela Vihar Colony,  
Karve Road, Erandwana,  
Pune-4.

(Transferor)

(2) Chopde Associates,  
Through its partner S. Y. Chopde,  
11622 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Situated at Building No. 61, Sheelavihar Colony, Pune.  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5224/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 6-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7804/1986-87.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 701 on 7th floor in building LOK SHILP at Plot  
No. 59, Sector 17, Vashi, New Bombay  
situated at Vashi, New Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.  
Range, Pune in December, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by the more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Shri Lalit C. Gandhi,  
Chief Promoter,  
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd.  
14 Vishal Shopping Centre,  
Sir M.V. Road, Bombay.

(Transferor)

(1) Mrs. Shylaja Iyengar,  
C/o V. S. Iyengarm, No. 3 Swathi,  
Haji Bapu Road, Mahendra Nagar,  
Malad (E) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 day from the date  
of the publication of the notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 701, on 7th floor in building LOK SHILP at Plot  
No. 59, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 7804/1985-86 in the month of December,  
1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pooona

Date : 2-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7452/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 215, S. No. 334, 338, Ravi Industries Compound, Near Amar-Jyoti Co-operative Housing Society Panchpakadi, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sharad Govind Bhoir & Others,  
Village Vadavali Naka,  
Dist. Thane. (Transferor)
- (1) M/s. Surbhi Construction,  
C/o Vithlani Oil Depot,  
Power Compound  
Near Ganesh Talkies,  
Panchpakadi, Thane (W). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 215, S. No. 334, 338 Panchpakadi, Thane.  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7452/1985-86 in the month of December, 1985.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 2-5-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37EE/5547/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 131, Survey No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri (Dr.) Deepak Shrinivas Naik,  
Flat No. 402, Seaside Apartments,  
R Balu Marg, Prabhadevi,  
Bombay. (Transferor)
- (2) Hrishikesh Construction,  
through its partner Shri A. K. Zunjurwadi,  
29 LIC Colony Pune Satara Road,  
Pune-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 131, Survey No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29.  
(Area 8080 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 5547/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date: 31-3-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7874/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Nos.

Immovable property bearing House Nos. 240 & 240A, Plot Nos. 2 & 3 situated on Survey No. 67/A, Hissa No. 15, N.C. Kelkar Road, Ramnagar, Dombivli (E) Dist. Thane situated at Ramnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1985

Date: 31-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
17—176 GI/86

- (1) S. N. Patil & Others.  
Samant Building, Gograswadi,  
Dombivli (E).

(Transferor)

- (2) Shri Anil S. Dhake &  
Mrs. Anjali Anil Dhake,  
15 Tulsi Sadan, N. C. Kelkar Road,  
Dombivli (E) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing House Nos. 240 & 24A, Plot Nos. 2 & 3 situated on Survey No. 67/A, Hissa No. 15, N.C. Kelkar Road, Ramnagar, Dombivli (E), Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7874/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date: 1-4-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 28th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/419/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 883/1/2/4, Plot No. 3, Agra Road situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Digamber B Kale & Others.  
1796 Old Tambet Lane,  
Nasik.

(Transferor)

- (2) Nilesh Ravindra Puranik,  
4470 Gholapwada, Panchvati,  
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 883/1/2/4, Plot No. 3, Agra Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 419/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poon

Date : 28-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Vimalabai Anant Andhare,  
1796 Old Tambat Lane,  
Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shrikant Govind Puranik,  
4470 Gholapwadi, Panchvati,  
Nasik.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Bombay-38, the 27th June 1986

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37G/418/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 883/1/2/2, Agra Road, Nasik situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 883/1/2/2 Agra Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 418/1985186 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 27-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 27th May 1986

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37G/420/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 883/2/3, Plot No. 2, Agra Road, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Digamber Bapuji Kale,  
Shri B. B. Kale,  
1796 Old Tambat Lane, Nasik.

(Transferor)

- (2) Shailesh Gopal Puranik,  
4470 Gholapwadi, Panchvati,  
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 883/1/2/3 Agra Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 420/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date 27-5-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 12th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4636 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S.T. No. 95/B, Sheet No. 27, CTS No. 839, of Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 11/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prakash Chimanlal Shah,  
14, Lane, Khar,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Panchratna Corporation,  
Partner :  
Ravjibhai Chhotabhai Patel,  
Son Kamal, Nr. Shashtribaug,  
Andan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale deed was registered by Sub-Registrar, Baroda on 1-11-1985 for A.C. of Rs. 5,50,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 12-6-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009; the 12th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4637 Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S.T. No. 95/B/Sheet No. 27 C.S. No. 839 of Jetalpur, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R., Baroda on 1/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prakash Chimanlal Shah,  
14th Way, Khar,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Panchratna Enterprise,  
Partner :  
Ravjibhai Chhotabhai,  
Sn. Kebul, Nr. Shastri Baug,  
Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale deed was registered by the Sub-Registrar, Baroda on 1/1986 for Apparent Consideration of Rs. 5,50,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 12-6-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Nasir Tabejee Reshamwala  
107, Sector F, Vashi,  
New Bombay.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agrawal Samaj Trust,  
C/o B.S. Agrawal,  
Subras Building, Station Road,  
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 30th June 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 4638/Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow at Athwa Umara, T.P.S. 9, FP No. 299, Surat Form No. 37EE is submitted to the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, office of the registering officer at Ahmedabad on 28-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37-EE is submitted in the office of the undersigned in November, 1985.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4639/Acq.23-II/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Building at Gopipura, Surat, Ward No. 10,  
Nondh No. 1438-A, 1457 and 1611  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 2-11-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri Jatinbhai Jivanbhai,  
Shroff and others,  
6, Arunodaya Society,  
Alkapuri, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Jain Swetamber Murti Pujak Tapgarak  
Aradhak Sangh,  
Gopipura, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
other assets which have not been or which ought to  
be disclosed by the transferee for the purposes of  
the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or  
the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957);

The document was registered at S.R. Surat vide No. 8223  
dated 2-11-1985.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 30-6-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 6440/Acq.13/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 30 Plot Nos. 1 to 18 F.P. Nos. 409 to 424 at the aim of village Sama—Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE in this office on 2-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18—176 GI/86

(1) Shri Digveerandrasinh Indrasinhji Sonlanki (HUF),  
Digveer Nivas, Vansda, Dstt. Valsad,  
South Gujarat.

(Transferor)

(2) M/s. Commercial Construction Co.,  
215, Commerce House,  
140, Nagindas Master Road,  
Bombay-400023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The form No. 37E8 is filed in this office on 2-12-1985 in respect of the agreement dated 7-11-1985

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date :: 1-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Devyani Sureshbhai Patel,  
Haribhakti Colony, Race Course,  
Baroda.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nilaben Artital Samrani  
Katrasroad, Dhanbad,  
Bihar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 4639/Acq.23-II/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2 R. S. No. 38—Jetalpur—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda on 14-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S.R. Baroda on 14-11-85 in respect of A.C. Rs. 6,11,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :: 1-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Girishchandra Manilal Zala  
Near Khadia Pole,  
Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Havabai Doudbhai Dhanaji,  
3, Arunodaya Society, Alkapuri,  
Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 4662/Acq.23/11/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Bldg. R.S. No. 601 to 603 C.T.S. No. 2959/B Tika No. 281/21 Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Baroda on 22-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The sale deed was registered by S.R. Baroda on 22-11-85 for A.C. Rs. 5,00,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1986  
Seal.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1986

Ref. No. P.R. No. 4643/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Floor Flat No. Gorwa, 1st B1 76 1st B2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Baroda on 19-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. R.B. Construction,  
2, Urmi Society, Subhanpura,  
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,  
9/1 R. N. Mukherjee Road,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S.R. Baroda on 19-11-1985 in respect of A.C. of Rs. 4,59,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 3-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4644/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHAbeing the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat Gorwa S.R. T.P.S. 2 A. 22 No. 76 FP 60 Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Baroda on 19-11-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. R.B. Construction,  
2, Urmi Society, Suhbanpura,  
Baroda.

(Transferor)

- (2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,  
9/1, R.N. Mukherjee Road,  
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on respective persons, whichever  
period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S. R. Baroda on 19-11-1985  
for A.C. Rs. 4,92,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date :: 1-7-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s R. B. Construction,  
2-Urmi Society Subhanpura  
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,  
9/1 R. N. Mukherjee Road,  
Calcutta-1.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4645/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A.3 A.4 Gorwa R. S. No. 76 T. P. 2 F. P. 60 Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The sale deed was regd. by S. R. Baroda on 19-11-1985 for A.C. Rs. 5,13,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date :: 1-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4646/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-11, 12-A 6, 7, 8, 10, 13 13

S.P. No. 76 Gorwa T.P. 2 F.P. No 60 Baroda

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Baroda on 19-11-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. R. B. Construction,  
2, Urmi Society Subhanpura,  
Baroda.

(Transferor)

- (2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,  
9/1—R.N. Mukherjee Road,  
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S.R. Baroda on 19-11-1985 in  
respect of A.C. Rs. 18,18,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 1-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th July 1986

Ref. No. P.R. No. 4647 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 1061/1 Lakhavad pati Nadiad Land & Bldg. (more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 28-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any onces or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Suryakant Harmanbhai Patel  
at Mohbal Tal. Nadiad.

Transferor(s)

- (2) Shah Chandulal Surajmal & Ors.  
Lakhavad—Nadiad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Nadiad vide No. 3850 Dt. 28-11-85.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Dt. 4-7-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4251 Acq./23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Building in T.P.S. 3, F.P. 394, S.P. 4, situated in Chanra Colony, C. G. Road, B/h Law College, Ahmedabad-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Executors of the Estate of Shri Maheshbhai Nanubhai Munshaw (1) Shri Chinubhai Nanubhai Munshaw and two others "Vivek", Chimanlal Girdharlal Road No. 1, Ellisbridge, Ahmedabad-380006.  
Transferor(s)

- (2) Maryada Mercantile Limited having its regd. office at 20, British Indian Street, Room No. 38, Calcutta-700 009 by its director  
Shri Pruthviraj Bhurchand Parekh.  
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building bearing in T.P.S. 3 F.P. No. 394, S.P. 4 situated in Chanra Colony, C.G. Road, B/h. Law College, Ahmedabad-380 006 as per the details mentioned in Sale Deed Registered at Registration No. 12691 dated 1-11-1985. Ahmedabad

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Dt. : 24-6-86  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4252 Acq 23/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bopal Sim R.S. No. 408-1, 2, 410, 412-1 New Block No. 614, Bopal admeasuring 59411 sq. yds. or 12 acre 11 gunthas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naranbhai Chimanbhai Patel,  
Village Bopal, Tal. Dascroi,  
Dist. Ahmedabad.

Transferor(s)

- (2) M/s. Bookwing Publications & Trading Co. Ltd.,  
C/o Gala Publications,  
Nt. Ajod Dairy Road, Rakhial,  
Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Bopal Sim R.S. No. 408-1, 2, 410, 412-1, New Block No. 614 in Bopal Land admeasuring 59411 sq. yds. or 12 acres 11 gunthas.  
Ahmedabad

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 27-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4253 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1-A/1 land adm. 880 sq. yds. and bldg. Upper storeyed thereon. (and more fully described in the Scheduled annexure hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gulbanu Ardesha Vadia  
Kankaria Road,  
Vadia Villa  
Ahmedabad,

Transferor(s)

(2) Shri Laljibhai Natwarlal Thakkar  
New Vijay Coop. Hsg. Socy. Ltd.  
24, Tojas Society Vibhag  
Ghatlodiya, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1A/1  
Land adm. 880 sq. yds. with upper storeyed Bldg. thereon  
R. No. 13450 Dt. : 8-11-85.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 30-6-86  
Seal :

**FORM INS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,**2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4254 Acq. 23/I/86-87.—

A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1-A/1 Land adm. 880 sq. yds. and Bldg. Upper Storeyed thereon (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Eramsha Ardesha Vadia  
Kankaria Road,  
Vadia Villa—Ahmedabad.

Transferor(s)

- (2) Shri Laljibhai Natvarlal Thakkar,  
New Vijya Coop. Hsg. Socy. Ltd.  
24, Tejas Socy. Vihag-2  
Ghatlodiya, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1-A/1 Land adm. 880 sq. yds. with upper storeyed Bldg. thereon R. No. 13452 Dt. 8-11-85.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Dt. : 30-6-86  
Seal :



FORM ITNS—

- (1) Shri Suryakant Sahebsinh Nagarsheth & Ors.  
Central Cinema  
Fuvara, Gandhi Road,  
Ahmedabad,

Transferor(s)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- (2) Shri Tahiram Parimal  
Director  
M/s Banker Fabrics Pvt. Ltd.  
465/11 First Floor,  
Shevade's Dchla  
Sakar Bazar,  
Ahmedabad-380 002.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

## ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4255 Acq. 23/L/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 4465, 4466 and 4469 Kalupur<sup>h</sup> Ward-3 lessors right, title, interest in Central Talkies G.F. F.F. and S.F. adm. 734.2 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C.S. Nos. 4465, 4466 and 4469 Kalupur Ward-3 lessors right, title, interest in Central Talkies G.F., F.F. and S.F. adm. 734.2 sq. mtrs. R. No. 12800 Dt. : 1-11-85.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 30-6-86  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

(1) Smt. Padmaben Chimanlal Maheta  
and Smt. Jayashriben Jayantilal Mehta  
C/o The Bharat Pulp & Oil Mills  
Jamuna Kund Road—  
Bhavnagar.

Transferor(s)

(2) Sihor Nagarik Sahakari Bank  
H.O. SIHOR—364 24  
Dist : Bhavnagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 4256 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I,  
A. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- bearing No.  
Bhavnagar C.S. Ward No. 3 Sheet No. 41 Kakada No. 159  
double storeyed Bldg. in Mahendi Chowk Danapith—  
Bhavnagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Bhavnagar on 19-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Bhavnagar C.S. Ward No. 8—Sheet No. 41 Kakada No.  
159 double storeyed bldg. in Mahendi Chowk Danapith  
Bhavnagar R. No. 3362 Dt. : 19-11-85.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Dt. : 30-6-86  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4257 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No. Double storeyed bldg. in Parimal Coop. Hsg. Socy. Plot No. 41 TPS, 3 FP 711, 713 to 717 land 1149 sq. yds. Bldg. 550 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukeshbhai Kantilal Patel & Ors,  
Parimal Socy. E.B.  
Ahmedabad.

Transferor(s)

- (2) Shri Atul Panalal Shah & Ors.  
41, Parimal Socy.  
E.B.—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed bldg. in Parimal Coop. Hsg. Socy. Plot No. 41 TPS, 21 FP Nos. 711, 713 to 717 land adm. 1149 sq. yds. & Bldg. 550 sq. yds. R. Nos. 10433, 10429, 10424 & 10428 Dt. : 7-11-85.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Dt. : 30-6-86  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4258 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS. 15 FP 169, 170, 171 etc. SP Nos. 6A & 6B Land in Satyavadi Co-op. Hsg. Socy. adm. 793 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sumatilal Chimanlal Golwala,  
Smt. Suryakantaben Sumatilal Golwala,  
224, Gusaparekh ni Pole,  
Madan Gopal's Haveli Road,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Chandmal Shah,  
Gangagiya's Pole  
Sankoli Sheri,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

TPS. 15 FP 169, 170, 171 etc. SP No. 6A and 6B land in Satyavadi Co-op. Hsg. Socy. adm. 793 sq. yds. R. Nos. 13004 and 13005 dated 4-11-1985.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4259 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS. 21 FP 239/C and 239-D SP No. 10 Vastrapur sim land adm. 753 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
20—176 GI/86

(1) Shri Ramanlal Keshavlal Amin,  
Moti Deli,  
P.O. at Bavala,  
Tal. Dholka District,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Siddharth Jashvantlal Potthiwala,  
Trustee of Smt. Dhanlaxmiben Trust,  
Visnagar (N.G.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vastrapur sim TPS. 21 FP 239-C and 239-D SP No. 10 land adm. 753 sq. yds. with plinth level construction R. No. 13547 dated 18-11-1985.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4260 Acq. 23.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 1, F.P. No. 248, Memnagar Sim Land admeasuring 966.54 sq. mtrs. and building admeasuring 349.35 sq mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ashokkumar Rambhai Patel,  
(2) Shri Girishbhai Laxmanbhai Patel,  
Drive-in-Road, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri M. K. Patel,  
Chairman of Sun Palace Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,  
Tirthnagar Society, Sola Road,  
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

T.P.S. 1 F.P. No. 248, Memnagar Sim Land adm. 966.54 sq. mtrs. and bldg. adm. 349.35 sq mtrs., S.R. Ahmedabad No. 13193 and 13202 dated 6-11-1985.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bachubhai Vijayshankor Bhatt,  
31, Shrimali Society,  
Navrangpura,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s Uday Co-op. Housing Soc. Ltd.,  
Org. Patel Ambalal Kacharabhai,  
C/o Patel Gandabhai Hirafal,  
25, Mehsana Society,  
Nawa Wadej Road  
Ahmedabad-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4261 Acq. 23.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T.P.S. 29, Wadej, Nr. Ankur Comm. Centre, F.P. No. 92/93, T.P.S. 29, Land adm. 827 sq. mtrs and bldg. 235.83 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

T.P.S. 29 Wadej at Ankur Comm. Centre, F.P. No. 92/93  
Land adm. 827 sq. mtrs. and bldg. 235.83 sq. mtrs., 37EE  
filed on 7-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4262 Acq. 23.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 5725, Shastrinagar, Opp. Neelam Baug, Land adm. 3177, 18 sq. mtrs. with construction (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) of Section 269D of the said Act, to the following partners of dissolved firm M/s. Vimal Automobiles, Opp. Neelam Baug, Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Shri Jadav R. Patel, partner of M/s Akhand Anand Builders, Nr. Aerodrome, Patel Park, Plot No. 270-A, Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.S. No. 5725, Shastrinagar, Opp. Neelam Baug, Bhavnagar C.S. No. 5725, land (with construction) adm. 3177.18 sq. mtrs. R. Nos. 3393 to 3399 dated 22-11-1985.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-6-1986  
Seal :



## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/12-85/2581.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 488, at 21, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (63 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kapur Properties & Investment  
16-L, Connaught Place,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) S. P. Seth HUF & Rakesh Seth HUF,  
88, Gulf Link,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 408, of approx. covered area of 595 sq. ft. on the 4th floor of proposed building at 21, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/11-85/2586.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR,, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 410, at 21, Barakhamba Road, situated at N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (63 of 1961) in the Office of Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kapur Properties & Investment,  
16-L, Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Kapur Finance & Leasing Co.,  
B-47, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 410, of approx. covered area of 500 sq. ft. on the 4th floor of proposed building at 21, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/12-85/373.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR,, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 145, Block No. 171, known as 145 Sunder Nagar, New Delhi situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (63 of 1961) in the Office of Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jawahar Lal Rakyar,  
Shri Anil Kumar Rakyar and  
Shri Arun Kumar Rakyar,  
r/o C-624, New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Marble Trading Co. Ltd.,  
19, R. N. Mukherjee Road,  
Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 145, Block No. 171 known as 145 Sunder Nagar, New Delhi. Consisting of four Bedrooms, Three Bathrooms, Drawing-Dinning, Kitchen on the Ground floor and First floor and One Room and Bathroom on the 2nd floor with two Grages and Four Servant Quarters, on 866 sq. yds.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2377.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 802, New Delhi House, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Narinder Singh Brar & S. Gurinder Singh Brar, House No. 2156, Sector 15-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Ravinder Nath Gupta 10%, Shri Ravinder Nath Gupta (HUF) 10%, Smt. Asha Rani 15%, Shri Vinod Gupta 25%, Shri Vinod Gupta (HUF) 15%, & Smt. Rekha Gupta 25%, all R/o K-4/19, Model Town, Delhi-110009. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th floor, New Delhi House, New Delhi 110001. Flat Area—1004.5 sq. ft. Balcony Area 39 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

(1) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd.  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ahuja Properties,  
502, Ashoka Estate,  
24, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2381.—Whereas, I,  
JAGDISH MITTAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Space No. 10 in Dr. Gopal Das Bhawan,  
28, Barakhamba Road, situated at New Delhi  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III  
New Delhi on November, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Space No. 10, on 6th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan'  
28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.  
Super Area 804.55 sq. ft.JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
21—176 GI/86

Date : 2-7-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

- (1) M/s. Gopal Dass Estate & Housing (P) Ltd.,  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ahuja Properties,  
502, Ashoka Estate,  
24, Barakhamba Road,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2417.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 9, in Dr. Gopal Dass Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Space No. 9, on 6th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.  
Super Area 804.55 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2418.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 8A, in 'Dr. Gopal Das Bhawan', 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd.  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ahuja Properties,  
502, Ashoka Estate,  
24, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 8A, on 6th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan', 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Super Area 635 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37FE/11-85/2419.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 11A, at  
28, Barakhamba Road, New Delhi  
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd,  
28, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Neena Kohli,  
w/o. L. K. Kohli,  
E-197, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 11A on 6th floor, in 'Doctor Gopal Das Bhawan'  
28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Super Area 635 sq. ft.).

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2439.—Whereas, I,  
JAGDISH MITTAR,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 6, Nilgiri Apartments at 9, Barakhamba Road,  
situated at New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III  
New Delhi in November, 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunga,  
18, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferee)

- (2) Dr. Shanti Lal &  
Mr. Sean P. Lal  
C/o Mr. Rakesh Dudani,  
86, Bank Colony, Laxminagar,  
Delhi-92.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

One residential flat area 1600 sq. ft. No. 6 on the fourth  
floor and one open car parking space in proposed multi-  
storeyed Group Housing Scheme 'Nilgiri Apartments' at 9,  
Barakhamba Road, New Delhi-110001.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 2-7-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-85/2450.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Atma Ram Mansion, 134 Conna. Place, Flat No. 4, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Atma Ram Properties (P) Ltd.,  
C-37, Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferor)

1 M/s. Aditya Cattles (P) Ltd.,  
17-B, Tej Mandi, Station Road,  
Alwar (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Atma Ram Mansion, 134, Connaught Place, Consisting of F. No. 4, New Delhi. Approx. area 4000 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2454.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 124, plot No. 3, known as 14, Janpath Lane, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
26—156GI/86

(1) Shri Shiv Darshan Singh,  
9-Janpath Lane,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Rawal Apartments (P) Ltd.,  
A.V.C. Bhawan,  
M-3, Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 124 Plot No. 3, Popularly known as 14- Janpath Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2501.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 at 9, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates  
1006, Kanchenjunga,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Ashok Kumar Bansal &  
Mrs. Subhash Bansal,  
D-7, Mahrani Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One residential flat No. 3, area of 1600 sq. ft. on 4th floor of East Block i.e. Front block and one open car parking space in proposed multistoreyed Group Housing Scheme 'NILGIRI APARTMENTS' 9, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/12502.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3 at 9, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—176 GI/86

(1) M/s. Kailash Nath & Associates  
1006 Kanchenjunga,  
18, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Bansal &  
Smt. Indra Bansal,  
D-7, Maharani Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One resd. flat No. 3, Front Block, area 1600 sq. ft. on 3rd floor and one open car parking space in proposed multi-storied Group Housing Scheme 'NILGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

**FORM FNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/12541.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'NILGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates  
1006 Kanchenjunga,  
18, Barakhamba Road,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar Jain &  
Smt. Anita Jain  
17, Malviya Nagar,  
Durg. (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A flat admeasuring 1600 sq. ft. and an Car Parking space in the multi-storeyed Group Housing Scheme 'NILGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2551.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land in Comm. Complex at Barakhamba Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bharat Hotels Ltd.  
Sagar Apartments,  
6, Tilak Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Diners Club India (P) Ltd.  
213, Raheja Chambers,  
Nariman Point,  
Bombay-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor admeasuring 8,000 sq. ft. out of office tower on the plot of land in commercial complex at Barakhamba Lane, New Delhi-1.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2572.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 407 at 21, Barakhamba Road situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kapur Properties & Investments  
16-L, Connaught Place  
New Delhi.

(Transferor)

(2) G. P. Seth HUF & Sheeba  
C/o Gaurav Seth,  
88, Gulf Links,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, of approx. covered area of 595 sq. ft. on the 4th floor of proposed building at 21, Barakhamba Road, New Delhi,

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986  
Seal :



## FORM TNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-IV,  
AGGARWAL HOUSE, 4/10, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-85/2379.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-107, Kasturba Gandhi Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.IV, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Wg. Cdr V. P. Bhasin (Retd) &  
Mrs. Ved Bhasin,  
Krishna Vilas,  
Camel's Back Road,  
Mussorie-248179.

(Transferor)

(2) Mrs. Tarawati Singhania &  
Mr. D. C. Singhania  
P-24, Green Park Extension,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-107, 10th floor, Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, Area 833 sq. ft. (Gross).

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31d July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2380.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D-114, at 23, K. G. Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Pushpa Gambhir  
W-121-A, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Trishad Elahi  
Smt. Tajet Jamal &  
Smt. Najmus-Sa-Her  
Noor Building,  
Tabacon Street,  
Moradabad-244001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Flat No. D-114, on 11th floor of Himalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. Area of flat 741 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986  
Seal:

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2425.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 306 at 14, K. G. Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd,  
115, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi,  
(Transferor)

(2) Sunita Kaeley  
W/o Brij Mohan Kaeley  
Baby Diyya Kaeley Baby Niti Kaeley,  
R/o 30/7, Shakti Nagar, Delhi-7.  
New Delhi,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 306, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 675 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : -7-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-IV/37EE/11-85/2441.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 112-B, Surya Kiran Bldg., 19, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Gen. B. M. Bhattacharjee, Mrs. Piriti Bhattacharjee, 2-D, Gem House, 5-B, Russell Street, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) M/s. Mekaster (P) Ltd.,  
908, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

112-B, Surya Kiran Building, 19, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi Plus Car Park Area.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries,  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. N. B. I. Industries Finance Co.,  
1-63, Connaught Circus, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2461.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 406, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—176 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 406, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2463.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Garui Apartments at 3 & 4, South End, situated at Lane, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New  
Delhi.  
(Transferor)
- (2) R. T. Malkani & Master T. Malkani,  
26-A, B. G. Kher Marg, Mallabar Hill, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A resdl. Flat No. 11, area 1520 sft. on 1st floor, a servant quarter No. 11 area 130 sft. on first floor, open terrace area 500 sq. ft. and an open car parking space in proposed multi-storied Group Housing Scheme, Gauri Apartments at 3 & 4, South End Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2483.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing AP-504, Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dalmia Dairy Industries Ltd.,  
11, ABC Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. Kuldeep Singh,  
Karta Kuldeep Singh HUE, K-14, Hauz Khas Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pent House Apartment No. AP 504, on 5th floor in Dalmia Vihar, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi. 2000 sq. ft. Plus One Covered Car Parking.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2485.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-304, Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dalmia Dairy Industries,  
11-ABC Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Bapsy C. Divan & Master Rahul G. Divan,  
C/o. Chandabhoj & Jassobhoj Adyani Chambers,  
Sir Pharoze Shah Mehta Road, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. A, 304, in Block A Dalmia Vihar, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi. Area 1435 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2515.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries,  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.  
(Transferor)  
(2) M/s. Pasricha Surgical Co. (P) Ltd.,  
25, Netaji Subhash Marg, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502, at Atma Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi.  
Area 505 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2516.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ranbir Singh Pasricha,  
25, Netaji Subhash Marg,  
Darya Ganj,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, at Amba Deep in 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 505 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
New Delhi

Date : 3-7-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2542.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 34, Ferozeshah Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACJ. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunga,  
18, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Pramod Kumar Jain &  
Smt. Kusum Jain,  
17, Malviya Nagar,  
Durg. (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One residential flat area 1600 sq. ft. and one car parking space in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme 'ADISHWAR APARTMENT' at 34, Ferozeshah Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2546.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 903, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACJ. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi.  
(Transferor)  
(2) M/s. Anupam Theaters & Exhibitors (P) Ltd.,  
Anupam Cinema, Saket,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 903, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 580 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Anupam Theaters & Exhibitors (P) Ltd.,  
Anupam Cinema, Saket,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2547.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 904, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACJ. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 904 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 520 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2574.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, GAURI APARTMENTS, 3 & 4 South End Lane, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACJ. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunga,  
18, Barakhamba Road,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Hakim Rai Jai Chand Forging (P) Ltd.,  
P. B. No. 17321, Lal Bahadur Shastri Marg,  
Bhandup, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Resdl. flat no. 5. (area of 1520 sqft) lawn (area 500 sqft.) one open car parking space on Ground floor of proposed multistoreyed Group Housing Scheme. 'GAURI APARTMENTS' 3&4 South End Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
New Delhi

Date : 3-7-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-III/11-85/326.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rect No. 43, Kh. No. 8, 9, 12, 13 Vill. Bijwasan situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Delhi Towers & Estates Ltd.  
115, Ansal Enclave, 16, K. G. Marg,  
New Delhi-1. (Transferor)
- (2) M/s. D. L. Properties,  
2, Civil Street, 3rd floor,  
Room No. 3 & 4, Calcutta-700001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 Bighas comprised in Rect. No. 43, Khasra No. 8(4-16), 9(0-15), 12(1-19), 13(4-10), situated in village Bijwasan, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS. ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-III/11-85/313.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2, undivided share in prop. No. K-58, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amodh Prakash Singh Chawla & Smt. Bachan Rani r/o 8, Shiv Niketan 18th Road, Khar, Bombay at present K-17, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lachhmi Narain Kalra,  
S/o late Shri Jaswant Ram Kalra,  
r/o IF/156, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share in property No. K-58, measuring 200 sq. yards situated at Jangpura Extension, New Delhi.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Date : 3-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC / Acq-IV / 37EE / 12-85/2642.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-107, Himalaya House, K. G. Marg, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Wg. Cdr. V.P. Bhasin &  
Mrs. Ved Bhasin Krishna Vilas,  
Camel's Back Road, Mussoorie-248 179.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Tarawati Singhania &  
Mr. D. G. Singhania, P-24,  
Green Park, Extension, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-107, 10th floor Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1. Area 833 sq. ft. (Gross).

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Date : 3-7-1986  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Lala Girdhan Lal Memorial Federation House,  
Tansen Marg, New Delhi-1, (Transferor)
- (2) Ushodaya Publications (P) Ltd.  
Hyderabad, through their local office,  
P.T.I. Building Parliament Street New Delhi. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/12-85/2643.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-2, garage No. S-20, at 28, Ferozeshah Road, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC/Acq-IV at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moveable or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential Flat (No. A-2, on 1st floor & garage No. S-20, in the basement of Lala Girdhar Lal Memorial Apartment at 28, Ferozeshah Road, New Delhi. ,

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/12-85[2655.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. A-2, Deevan Shree, Ferozshah Road, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC/Acq-IV at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jain Class Work Pvt. Ltd.,  
Jain Bhawan, Ferozabad.

(Transferor)

(2) Hunt Investments Limited,  
29A-1, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential flat No. A-2 Deevan Shree, Ferozshah Road, New Delhi. Area 2570 feet.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Date : 3-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.IV/37EE/12-85/2646.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 607, at 14, K. G. Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. ACQ IV at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ansal Prop. & Industries (P) Ltd.  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Rashi Jayana, Vais Jayana (Minor)  
Master Priyank Jayna, 14, Babar Lane,  
New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 607, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 525 sq. ft.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi.

Date : 3-7-1986  
Seal :